दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-2 | अंक-338 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, गुरूवार, 28 नवंबर, 2024 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लंदन में निवेशकों के साथ की वन-ऑन-वन मीटिंग्स, निवेश के लिए किया आमंत्रित

लंदन, एजेंसी

मध्य प्रदेश की डॉ मोहन यादव सरकार फरवरी 2025 में राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट कराने जा रही है, सरकार इसकी तैयारी में लगी है और सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे इसके लिए सक्रिय रहें। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विदेशी इन्वेस्टर्स को समिट के लिए आमंत्रित करने के लिए पहली बार विदेश यात्रा पर हैं वे इंग्लैंड और जर्मनी के टूर पर हैं और निवेशकों को मध्य प्रदेश में मौजूद संसाधनों की जानकारी देकर उन्हें मध्य प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पिछले दो दिनों से लंदन में हैं और उद्योगजगत के लोगों से मुलाकात कर रहे हैं, भारतीय समुदाय के लोगों के माध्यम से आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में सीएम ने लंदन में निवेशकों और उद्योग जगत के अग्रणी लीडर्स के साथ वन-ऑन-वन मीटिंग्स कर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवकरणीय ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, अधोसंरचना, स्वास्थ्य सेवा और आईटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी के अवसरों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

मध्य प्रदेश में उद्योग और नवाचार के लिए उपयुक्त वातावरण

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निवेशकों को राज्य की व्यापार अनुकूल नीतियों और प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में उद्योग और नवाचार के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने राज्य की औद्योगिक क्षमता और इसके माध्यम से सतत विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देने की अपनी दूरदर्शी सोच साझा की, जिसकी निवेशकों ने सराहना की।

मध्य प्रदेश निवेशकों के लिए अवसरों का केंद्र

मुख्यमंत्री. डॉ मोहन यादव ने कहा 'मध्य प्रदेश, निवेशकों के लिए न केवल अवसरों का केंद्र है, बल्कि एक ऐसा साझेदार है, जो उनके व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा।' उन्होंने प्रदेश में उद्योगों को सुगमता से स्थापित करने और संचालन के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अधोसंरचना, कुशल कार्यबल और अन्य संसाधनों पर विशेष जोर दिया।

फरवरी में भोपाल में जुटेंगे विदेशी निवेशक

आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इन दिनों प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करा रहे हैं अभी पांच रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव हो चुकी हैं जिनमें कई लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मध्य प्रदेश को प्राप्त हुए हैं जिनमें लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जनवरी तक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का सिलसिला पूरा हो जायेगा और फरवरी में राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन होगा जिसमें विदेशी निवेशक मध्य प्रदेश में उनके लिए संभावनाएं तलाशेंगे।

संक्षिप्त समाचार

संभल हिंसा को लेकर अभिनेत्री स्वरा ने दी तीखी प्रतिक्रिया

मुंबई। यूपी के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो चुकी है और 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने अब तक 7 मुकदमे दर्ज किए हैं और 27 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं हिंसा को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल हो रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति पूरी तरह अस्वीकार्य है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर जिले की सीमाओं को 30 नवंबर तक सील कर दिया है और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। संभल के एसपी ने बताया कि हिंसा के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 100 से ज्यादा लोगों की पहचान की गई है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई निर्दोष व्यक्ति जेल में नहीं डाला जाएगा, लेकिन जिसने भी पत्थर फेंका है, उसे सजा मिलेगी। इस घटना को लेकर सियासत तेज हो गई और बयानबाजी शुरु हो गई है।

फडणवीस को महाराष्ट्र का सीएम बनाने खून से लिखा पत्र

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद भी अभी तक महायुति सीएम का नाम तय नहीं कर पाई है। इसको लेकर बीजेपी यहां पर्यवेक्षक भेजेगी, जो विधायकों से रायशुमारी करके सीएम के नाम का ऐलान करेंगे। उधर, बीजेपी के सिर पर जीत का सेहरा बांधने वाले देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का अगला सीएम बनाने के लिए औरंगाबाद में बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने खून से लेटर लिखा है। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। शिंदे 28 जून 2022 से 26 नवंबर 2024 तक सीएम रहे हैं। विधानसभा का कार्यकाल मंगलवार को खत्म हो गया है। नए सीएम के शपथ होने तक शिंदे ही कार्यवाहक सीएम बने रहेंगे। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नए सीएम के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम तकरीबन फाइनल हो चुका है। फडणवीस के सीएम बनने पर नई सरकार में पहले की ही तरह दो डिप्टी सीएम होंगे। एनसीपी की ओर से अजित पवार और शिवसेना की ओर से शिंदे किसी नए विधायक का नाम आगे कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक नई सरकार का एजेंडा तय करने के लिए तीनों दलों की एक कमेटी बनाई जा सकती है, जिसके मुखिया एकनाथ शिंदे हो सकते हैं। हालांकि, शिवसेना प्रवक्ता कृष्ण हेगड़े ने इससे इनकार कर दिया है।

सिटी पैलेस के आसपास के क्षेत्र में धारा 163 लागू

उदयपुर। महाराणा प्रताप के वंशजों में उपजे विवाद के बाद जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरविंद पोसवाल ने शहर के सिटी पैलेस के आसपास के क्षेत्र में धारा 163 लागू कर दी है। जारी आदेश के मुताबिक धारा 163 जगदीश चौक से 500 मीटर के परिक्षेत्र में एवं रंगनिवास पर्यटन पुलिस थाना तक लागू रहेगी। जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल की ओर से जारी आदेश के मुताबिक उदयपुर शहर में सोमवार को मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विश्वराज सिंह एवं सिटी पैलेस में निवासरत पूर्व राजपरिवार के सदस्यों के बीच धूणी माता के दर्शन को लेकर विवाद की स्थिति बनी। इसे देखते हुए जगदीश चौक से 500 मीटर के परिक्षेत्र एवं रंगनिवास पर्यटन पुलिस थाना तक शांति बनाए रखने के लिए धारा 163 लागू की गई है। ये आदेश प्रभावी होंगे: कलेक्टर की ओर से जारी आदेश के मुताबिक जगदीश चौक से 500 मीटर के परिक्षेत्र में एवं रंगनिवास पर्यटन पुलिस थाना तक 5 या इससे अधिक व्यक्ति एक स्थान पर एकत्रित नहीं होंगे। इस प्रतिबंध से राजकीय एवं सार्वजनिक कार्यालय तथा विद्यालयों को मुक्त रखा जाएगा।कोई भी व्यक्ति उदयपुर शहर के जगदीश चौक से 500 मीटर के परिक्षेत्र में एवं रंगनिवास पर्यटन पुलिस थाना तक किसी भी तरह का विस्फोटक पदार्थ, घातक रासायनिक पदार्थ, शस्त्र आदि लेकर नहीं जा सकेगा।

संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई स्थगित

अडानी मामले को लेकर संसद में विपक्ष का हंगामा

» स्पीकर के आसन के पास की नारेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी।

शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को संसद में विपक्ष ने अडानी मामले समेत अन्य गंभीर विषयों को लेकर दोनों ही सदनों में जोरदार हंगामा किया। विपक्षी सांसदों के हंगामे के चलते राज्यसभा के साथ ही साथ लोकसभा की भी कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को संसद की कार्यवाही शुरू होते ही दोनों सदनों में विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया था। इसे देखते हुए राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही को पहले कुछ देर के लिए स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद लोकसभा में दोपहर 12 बजे फिर से कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्ष के सांसदों ने पुन: जोरदार हंगामा शुरु कर दिया। हंगामें के बीच में ही लोकसभा की कार्यवाही के दौरान प्रश्नकाल में भाजपा के पहली बार के सांसद अरुण गोविल ने इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से संबंधित पूरक सवाल पूछे। इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग के मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा दिया गया। इससे पहले स्पीकर ओम बिड़ला ने आसन के निकट पहुंचे नारेबाजी करते विपक्षी सदस्यों से अपना

राहुल गांधी ने सरकार को घेरा......अडानी को जेल में होना चाहिए

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद के बाहर यह कहते हुए सरकार को घेरा कि अडानी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। ऐसे में उन्हें जेल में होना चाहिए। उन्होंने सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सैकड़ों लोगों को तो छोटे-छोटे आरोपों में ही गिरफ्तार कर लिया जा रहा है, वहीं जेंटलमैन (गौतम अडानी) पर अमेरिका में हजारों करोड़ रुपये की रिश्वत के गंभीर आरोप हैं, उन्हें जेल में होना चाहिए। यह सरकार उन्हें बचा रही है। इसके साथ ही राहुल ने एक बार फिर गौतम अडानी की गिरफ्तार की मांग की है।

रावत की हार के बाद वन मंत्री के लिए लॉबिंग

» दो मंत्री दिल्ली पहुंचे, नागर बोले- सीएम चाहे तो मैं जिम्मेदारी संभालने को तैयार

भोपाल, एजेंसी।

विजयपुर उपचुनाव में रामनिवास रावत की हार के बाद यह तय नहीं है कि वन मंत्री कौन होगा, लेकिन इसके लिए दिल्ली तक लॉबिंग शुरू हो गई है। दो पूर्व वन मंत्री और कुछ विधायक पार्टी के बड़े नेताओं से मेल-मुलाकात कर रहे हैं। 20 से ज्यादा सीनियर विधायकों को भी उम्मीद जागी है। रावत ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इस पर सीएम डॉ. मोहन यादव के विदेश यात्रा से लौटने के बाद फैसला होगा। इस बीच मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री जी जिम्मेदारी देते हैं तो वन मंत्रालय संभालने के लिए तैयार हूं। रावत ने कांग्रेस विधायक रहते हुए 8 जुलाई को डॉ. मोहन सरकार में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। हाल ही में हुए उपचुनाव में रावत हार गए। रावत ठीक सवा चार महीने भाजपा सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री रह पाए। उनको यह विभाग नागर सिंह चौहान से छीनकर दिया था। नागर सिंह चौहान के पास अनुसूचित जाति और वन एवं पर्यावरण दो विभाग थे। रावत के भाजपा में शामिल होने के बाद डॉ. मोहन कैबिनेट का विस्तार हुआ और नागर सिंह से वन एवं पर्यावरण विभाग छीनकर उनको दे दिया गया। अब नागर सिंह चौहान एक बार फिर से पुराना विभाग हासिल करने के प्रयास में जुटे हैं।

मैतेई समुदाय ने सैन्य स्टेशन तक मार्च किया

मणिपुर में फिर तनाव

इंफाल। मणिपुर हिंसा के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी है। इसके चलाते राज्य सरकार ने स्कूल-कॉलेजों को अनिश्चितकाल के लिए बंद किया गया है। इस बीच एक और घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को चिंता में डाल दिया है। मणिपुर के खुकरुल इलाके में स्थित आर्मी कैंप में काम करने वाला युवक लापता है, जिसकी तलाश के लिए सेना ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। लापता युवक की पहचान असम के कछार जिले के मूल निवासी लैशराम कमलबाबू सिंह के रूप में हुई है। वह लीमाखोंग सैन्य स्टेशन पर काम करने के लिए अपने घर से निकला था, लेकिन उसके बाद से युवक लापता हो गया। युवक के परिवार ने 25 नवंबर की शाम को उसकी वापसी न होने की सूचना दी थी। सेना ने तुरंत कार्रवाई कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। मामले में सीसीटीवी फुटेज की जांच हो रही है, साथ ही ड्रोन, ट्रैकर और डॉग स्क्वायड का इस्तेमाल हो रहा है। वहीं लापता युवक की तलाश के दौरान मणिपुर में तनाव बढ़ गया। इंफाल घाटी के सीमांत इलाकों में मैतेई समुदाय के सैकड़ों लोगों ने सैन्य स्टेशन तक मार्च किया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें कांटो सबल के पास रोक दिया और प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर पत्थर फेंककर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि युवक का अपहरण आतंकवादियों ने किया है और वे राज्य सरकार से उनकी सुरक्षित वापसी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजने की मांग कर रहे हैं।

पद की लालसा नहीं, जब मुख्यमंत्री था तब मोदी साथ खड़े रहे, जो फैसला लेंगे स्वीकार

भाजपा का सीएम हमें मंजूर : एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी।

महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब एनडीए का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे। शिंदे बोले, मैं कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। यह जनता की विजय है। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद। इलेक्शन के वक्त सुबह 5 बजे तक काम करते थे। सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की।

शिंदे को मोदी का हर फैसला स्वीकार.. मैं आम आदमी, कभी खुद को सीएम नहीं समझा एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे। अच्छी शिंदे ने कहा, जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्यमंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। राज्य की बहनें और भाई अब खुश हैं। बहनों ने मेरा साथ दिया और मेरी रक्षा की, अब मैं उनका लाडला भाई हूं, यह पहचान अच्छी है।

लखनऊ में एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे हुआ दर्दनाक हादसा, 4 डॉक्टरों समेत 5 की मौत

कन्नौज, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में सैफई पीजीआई के 4 डॉक्टरों समेत 5 की एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। ये सभी डॉक्टर एक कार में सवार थे और काफी तेज गति से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर चल रहे थे,तभी अचानक कार अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से टकराते हुए सीधे ट्रक से भिड़ गई। इससे कार के परखच्चे उड़ गए और डॉक्टरों की मौत हो गई। ये चारों डॉक्टर लखनऊ में एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। तभी रास्ते में इस हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस हादसे को संज्ञान में लिया है। सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

रतलाम में फोरलेन निर्माण के बीच आ रही दरगाह ढहाई गई

कोर्ट से स्टे खारिज होने के बाद कार्रवाई

रतलाम। रतलाम के जावरा फाटक से सेजावता फंटे तक बन रहे फोरलेन के बीच में आ रही पहलवान बाबा की दरगाह का बचा हिस्सा बुधवार को हटा दिया गया। सुबह प्रशासन की टीम पहुंची और मजार को बचाते हुए बाहरी हिस्से को गिरा दिया। पूरा स्ट्रक्चर ढहाने के बाद मलबा को वहां से हटवाया गया। कार्रवाई पूरी हुई तो मजार को पूरी तरह से साफ कर कर्मचारियों ने फूल चढ़ाए। जावरा फाटक से सेजावता फंटे तक 4.12 किमी लंबे फोरलेन का काम चल रहा है। इसमें पहलवान बाबा की दरगाह का कुछ हिस्सा आ रहा था। इसे हटाने को लेकर विवाद के हालात बने तो प्रशासन ने दरगाह से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर मामले का हल निकाला। हालांकि कुछ लोगों का कहना था कि दरगाह को अवैध कार्रवाई कर नष्ट करने की कोशिश की जा रही है।

गौरझामर शासकीय बालक शाला हाई स्कूल में हुआ साइकिल वितरण

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | गौरझामर शासकीय बालक हाई स्कूल गौरझामर में छात्रों को साइकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्रओं को साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक की बेटी प्रियंका पटेरिया ने छात्रों को साइकिल वितरण किया इस दौरान प्रियंका पटेरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

इस योजना के तहत साइकिल प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए शासन से मिले उपहार उनकी आगे की पढाई के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि विद्यालय से दूर रहने वाले और आर्थिक तंगी से जुझ रहे परिवार के बेटा बेटियों के लिए यह योजना एक बडा वरदान है।

इस योजना के तहत साइकिल प्राप्त करने वाले छात्रों को अपने घरों से आसानी से पढाई के लिए स्कूल पहुंच सकती है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक की बेटी प्रियंका पटेरिया गौरज हमार भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ग्राम

पंचायत सरपंच बबीता विशकर्मा रोजगार सचिव गीत बिथ्लेर महिला मोर्चा अध्यक्ष अनीता पटेल रंज्जू बड्डुवान राजेंद्र तिवारी ध्रुव पाठक नाथूराम मिश्रा मनोज जैन स्कूल प्रचार्य अनुराग दीक्षित सहित बडी संख्या में पालक व छात्र स्कूल स्टाफ उपस्थि रहे

निजी अस्पताल ने कराया नाबालिग का प्रसव, कार्रवाई से बचने के लिए सीढ़ियों के नीचे छिपाया

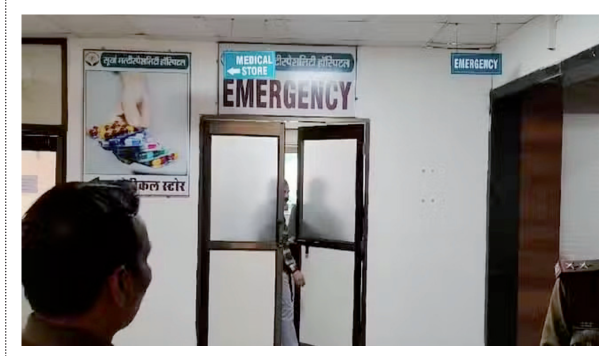

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | जिले के एक निजी अस्पताल में नाबालिग का प्रसव कराए जाने की जानकारी मिलने के बाल कल्याण और किशोर न्याय बोर्ड की टीम के अस्पताल पहुंचने पर अस्पताल प्रशासन ने नाबालिग को नवजात समेत सीढ़ियों के नीचे छिपा दिया।

एक निजी अस्पताल में बिना कोई दस्तावेज लिए एक नाबालिग लड़की का प्रसव कराने का मामला सामने आया है। दरअसल मुखबिर की सूचना पर सागर की बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड की टीम अस्पताल पहुंची और अस्पताल प्रबंधन से नाबालिग बच्ची के बारे में पूछा।

कार्रवाई के डर से अस्पताल प्रशासन ने प्रसूता को नवजात बच्चे समेत अस्पताल के अंदर सीढ़ियों के नीचे छिपा दिया।

बाल कल्याण समिति की टीम को जब प्रसूता मिली तो उसके हाथ में उसका नवजात बच्चा था और उसके कपड़े पूरी तरह खून में सने हुए थे। इतना ही नहीं अस्पताल में

लोगों को इकट्ठा देखकर अस्पताल प्रबंधन ने लोगों से अभद्रता भी की। पूरे मामले में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष ने अस्पताल पर कानूनी कार्रवाई करवाने की बात कही है।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक निजी अस्पताल का है, जहां आज एक नाबालिग युवती का प्रसव करा दिया गया। सूचना मिलते ही बाल कल्याण समिति और किशोर न्याय बोर्ड की टीम अस्पताल पहुंची। टीम को देख अस्पताल प्रबंधन घबरा गया और प्रसूता को नवजात बच्चे के साथ अस्पताल के अंदर सीढ़ियों के नीचे छिपा दिया। टीम ने निरीक्षण शुरू किया तो पहले तो अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन फिर भी टीम ने अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए अस्पताल में बच्ची को ढूंढ निकाला।

सीढ़ियों के नीचे खून से सने हुए कपड़ों में प्रसूता अपने नवजात बच्चे के साथ छोटी-सी जगह में बैठी हुई मिली। पूछताछ करने पर पता चला कि प्रसूता के बारे में अस्पताल के रजिस्टर में कोई एंट्री नहीं की गई थी और ना ही युवती के कोई दस्तावेज लिए गए थे। नाबालिग लड़की का प्रसव करने से पूर्व पुलिस या प्रशासन को कोई सूचना भी नहीं दी गई थी।

मामले में सवाल-जवाब करने पर अस्पताल प्रबंधन ने निरीक्षण के लिए पहुंची टीम के साथ अभद्रता करने का भी प्रयास किया। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष किरण शर्मा का कहना है कि मामले में अस्पताल में विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी।

रुद्राक्ष धाम में आयोजित भजन संध्या का शुभारंभ पूर्व मंत्री पं श्री गोपाल भार्गव करेंगे

शुक्रवार, शाम 4 बजे से होंगी दिग्गज कलाकारों की प्रस्तुतियां

• सागर, प्रतिनिधि

सागर। शुक्रवार 29 नवम्बर को रुद्राक्ष धाम मंदिर प्रांगण में आयोजित भजन संध्या का शुभारंभ शाम 4 बजे पूर्व मंत्री, वरिष्ठ विधायक पं श्री गोपाल भार्गव दीप प्रज्ज्वलित करके करेंगे। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व मंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने यह जानकारी देते हुए सभी से भजन संध्या में शामिल होने का आग्रह किया है।

पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि शाम 4 बजे पूर्व मंत्री, वरिष्ठ नेता पं श्री गोपाल भार्गव द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हो रहे भजन संध्या के इस धार्मिक कार्यक्रम में राजस्थान से आए प्रसिद्ध भजन

गायक श्री विजय राजपूत व सुनील शर्मा की प्रस्तुति 4 बजे से 6 बजे तक होगी। शाम 6 बजे से 9 बजे तक दिग्गज गायिका अभिलिप्सा पांडा की प्रस्तुति होगी। इसके साथ भव्य आकर्षक आतिशबाजी के संयोजन से आकाश में रंगों की छटा बिखरेगी। भजन संध्या के आयोजन के लिए रुद्राक्ष धाम मंदिर व पूरे प्रांगण को शानदार लाइटिंग से सजाया गया है।

नेशनल लोक अदालत 14 दिसम्बर को

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | जिला उपभोक्ता आयोग सागर में 14 दिसम्बर को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग सागर में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु, नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राजीनामें एवं समझौते से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

व्यावसायिक भवन में उचित पार्किंग व्यवस्था न होने पर 4 और दुकानदारों को नोटिस

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देश अनुसार शहर में बेहतर परिवहन एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मकरोनिया नगर पालिका सीएमओ श्री पवन शर्मा ने 4 और दुकानदारों को नोटिस जारी किया है।

नगर पालिका परिषद मकरोनिया कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार झांसी रोड एवं सिविल लाइन स्थित 4 दुकान जिनमें

हीरो सर्विस सेंटर, शांति नर्सिंग होम (डॉ. राकेश शर्मा), डॉ. जिनेश जैन नारायण हॉस्पिटल, डॉ. जी.एस. चौबे शामिल हैं। इनके व्यावसायिक भवन में उचित पार्किंग व्यवस्था न होने के संबंध में नोटिस दिया गया है।

नोटिस में उल्लेख है कि उक्त व्यावसायिक संस्थानों द्वारा भवन में व्यावसायिक गतिविधि संचालित की जा रही है। जिसमें म०प्र० भूमि विकास अधिनियम 2012 के अनुसार पार्किंग व्यवस्था नहीं की गई।

म०प्र० भूमि विकास अधिनियम 2012 के अनुसार निर्माण करते समय निर्धारित (MOS) न्यूनतम सीमांत खुला क्षेत्र अनुसार जगह छोडकर भवन निर्माण किया जाना चाहिये। किंतु उक्त के द्वारा निर्धारित (MOS) न्यूनतम सीमांत खुला क्षेत्र भवन निर्माण के समय नहीं छोड़ा गया है। जिससे पार्किंग व्यवस्था स्पष्ट नहीं है।

उक्त व्यावसायिक संस्थानों के ऊपर म०प्र० भूमि विकास अधिनियम 2012 का उल्लंघन करने पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं एवं सूचित किया गया है कि व्यावसायिक भवन में पार्किंग व्यवस्था की जानकारी स्पष्ट करे जाने हेतु भवन निर्माण अनुज्ञा आगामी 03 दिवस में कार्यालय में प्रशस्त करे।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा स्थल का अपर कलेक्टर ने सेना के अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देश पर जनवरी माह में होने वाली अग्निवीर भर्ती परीक्षा की तैयारी का अपर कलेक्टर श्री रुपेश उपाध्याय ने कर्नल श्री कमलेश कुमार एवं सेना के अन्य अधिकारियों के साथ भर्ती परीक्षा स्थल शासकीय इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सागर एसडीएम श्रीमती अदिति यादव सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

जनवरी माह में आयोजित होने

वाली अग्निवीर भर्ती परीक्षा में 10 जिलों के 9000 से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। सेना की भर्ती शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो सके इसके लिए कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने अपर कलेक्टर श्री रुपेश उपाध्याय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री रुपेश उपाध्याय ने आज इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचकर आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेज में पर्याप्त मात्रा में प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए जिससे की रात्रि में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी प्रकार संपूर्ण परिसर के चारों तरफ चलित शौचालय, पेयजल के टैंकर, फायर ब्रिगेड, बैरिकेडिंग प्रमुख रूप से की जावे। उन्होंने कहा कि भर्ती के समय एंबुलेंस, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ दवा के साथ उपलब्ध रहें और अस्थाई अस्पताल भी तैयार करें जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्रारंभिक इलाज किया जा सके।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले भर में तालाबों का सीमांकन प्रारंभ

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा जिले के सभी छोटे बड़े तालाबों का सीमांकन एवं मुनारे बनाने के लिए निर्देश दिए गए थे। इस परिपेक्ष्य में जिले के सभी राजस्व अधिकारियों द्वारा तालाबों का सीमांकन प्रारंभ किया गया है और मुनारें बनवाने की कार्रवाई भी की जा रही है। आज अनुविभागीय अधिकारी मालथोन श्री मुनव्वर खान के द्वारा तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, इंजीनियर की उपस्थिति में मालथोन स्थित तालाब खसरा 578 व 692, रकवा 11 हेक्टेयर का सीमांकन किया गया।

इसी प्रकार रहली एसडीएम श्री गोविंद दुबे, तहसीलदार गढ़ाकोटा श्री ऋषि गौतम के द्वारा शासकीय तालाब मौजा पडकवारी खसरा नंबर 286 एवं 289 रकवा 0.80 हेक्टर का सीमांकन श्रीमान तहसीलदार महोदय एवं आर आई साहब एवम हल्का पटवारी की मौजूदगी में किया गया।

इसी प्रकार एसडीएम बीना श्री देवेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा तहसीलदार श्री सुनील शर्मा एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा ग्राम जोध तहसील बीना में तालाब का सीमांकन किया गया एवं ग्राम पीपरखेड़ी हल्का 41 में भी तालाब का सीमांकन किया गया।

एसडीएम देवरी श्रीमती भव्या त्रिपाठी के द्वारा तहसीलदार श्री संगम पटले एवं अन्य अधिकारियों द्वारा ग्राम सिंगपुर गंजन के तालाब का सीमांकन किया गया। ग्राम विनायक में भी तालाब का सीमांकन करवाया गया। मौके पर एसडीएम श्री गगन बिशेन बंडा एवं तहसीलदार मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि सभी अधिकारी नगरीय निकाय एवं ग्रामीण इलाक़ों के तालाब का सीमांकन करें एवं मुनारें बनाने की कार्रवाई करें।

70 साल के पति को आया इतना गुस्सा कि पत्नी की काट दी गर्दन, फिर कटे सिर के साथ किया ये खौफनाक काम

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | मध्य प्रदेश के सागर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। राहतगढ़ में 70 वर्षीय बुजुर्ग पति खूबचंद साहू ने अपनी 65 वर्षीय पत्नी राधारानी की हंसिया से गर्दन काटकर हत्या की और शव को 600 मीटर दूर पेड़ पर लटका दिया। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सागर जिले के राहतगढ़ थाना क्षेत्र के टेहरा-टेहरी गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। 70 वर्षीय बुजुर्ग पति खूबचंद साहू ने अपनी 65 वर्षीय पत्नी राधारानी की हंसिया से गर्दन काटकर हत्या

कर दी। इसके बाद सिर को धड़ से अलग कर बालों को रस्सी से बांधते हुए घर से 600 मीटर दूर एक पेड़ के तने में फंसा दिया।

बुधवार सुबह जब ग्रामीणों ने घर के दहलान में राधारानी का सिरकटा शव देखा तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया। सिर की सर्चिंग के दौरान यह ज्वाला देवी मंदिर रोड पर एक पेड़ के तने के बीच पाया गया।

हत्या के बाद आरोपी खूबचंद मौके से फरार हो गया, जिससे वारदात का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि मंगलवार रात आरोपी के घर भजन का आयोजन हुआ था। रात करीब 1.30 बजे लोगों ने दोनों को एक साथ देखा था। लेकिन सुबह राधारानी का खून से लथपथ शव मिला।

पुलिस का मानना है कि खूबचंद ने हंसिया से अपनी पत्नी की हत्या की है। आरोपी की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है, और लोग हत्या के कारणों को लेकर आशंका व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकथाम अभियान पखवाड़ा

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत जिले भर मे होगा विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के मार्गदर्शन मे महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकथाम अभियान पखवाड़ा हम होंगे कामयाब के तहत जिले भर मे कैलेंडर अनुसार विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के द्वारा राज्य स्तरीय शुभारम्भ के साथ ही हम होंगे कामयाब पखवाड़े की शुरुआत हो चुकी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी अनुसार जेंडर आधारित हिसा की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़ा 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। संपूर्ण पखवाड़ा के लिए तिथि वार जो कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे उसका कैलेंडर जारी किया गया है। अभियान के पहले दिन अभियान का शुभारंभ राज्य स्तरीय दो दिवसीय जेन्डर संवेदीकरण कंसल्टेशन कार्यक्रम विषय पर आयोजित किया गया है। जिसके तहत आयोजित गतिविधियां क्रियान्वित की जाएगी तदनुसार राज्य स्तर पर अभियान का आरम्भ महिला बाल विकास विभाग द्वारा स्काई सोशल संस्था के साथ विभिन्न समन्वित विभागों यथा नगरीय विकास, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, धर्मस्व धर्मगुरु, स्कूल शिक्षा, गृह (पुलिस) विभाग, आबकारी, परिवहन, उच्च शिक्षा, श्रम, सामाजिक न्याय, तकनीकि शिक्षा, अनुसूचित जाति कल्याण, खेल युवा कल्याण, नेहरू युवा केंद्र, जनसम्पर्क, विधि विधायी कार्य विभाग डेवलपमेंट पार्टनर यूनिसेफ, यूनवीमेन, और यूनएफपीए के सहयोग से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कंसल्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। राज्य स्तर एवं समस्त जिलो के सम्बंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आनलाइन इस आयोजन से जुडेंगे।

अभियान के दूसरे दिन 26 नवंबर को फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए जेंडर संवेदीकरण गतिविधियां क्रियान्वित की जाएगी जिसके तहत युवाओं के साथ जेन्डर आधारित हिंसा पर संवाद किया जाएगा इस में जेंडर आधारित हिंसा का मनो-वैज्ञानिक प्रभाव विषय पर गहन चर्चा तथा जेंडर संवेदनशीलता और जेंडर-आधारित मुद्दों से निपटने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, बाल देखभाल संस्थान के कर्मचारियों, वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन, शौर्य दल और शक्ति निवास तथा उर्जा महिला डेस्क कर्मियों के लिए वेबिनार कार्यशाला शामिल हैं। बुधवार 27 नवंबर को बाल विवाह निषेध जागरूकता पर आयोजित गतिविधियां अंतर्गत बाल विवाह निषेध अधिनियम और इन कानूनों के उल्लंघन के कानूनी परिणामों पर वेबिनार और सत्र का आयोजन।

अब दूसरी किस्त का फरमान, 23 अरब और होंगे जमा; इस्तेमा

भोपाल, म.प्र

करीब छह माह से अधिक दूर खड़े हज सफर के लिए खर्च वसूली में हज कमेटी ऑफ इंडिया की अधीरता और जल्दबाजी अकीदतमंदों की मुश्किल बनती जा रही है। अक्टूबर में हुए कुर्रा के तत्काल बाद पहली किस्त का तगादा लगाकर हज कमेटी ऑफ इंडिया पहले ही करीब 21 अरब रुपए जमा करके बैठा है। पहली किस्त का समय पूरा होने के महज 15 दिन बाद अब दूसरी किस्त की डिमांड कर दी गई है। इस कवायद से भी करीब 23 अरब रुपए जमा होने वाले हैं। जून में होने वाली हज यात्रा के आठ माह पहले से जमा कराई जाने वाली इस राशि में बैंक से मिलने ब्याज के घालमेल से जहां शरई तकाजे खराब होने के हालात बन रहे हैं। जल्दबाजी में पैसों का इंतजाम कर पाना भी अकीदतमंदों के लिए मुश्किलभरा साबित हो रहा है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज 2025 के चयनित आवेदकों से हज खर्च की दूसरी किस्त जमा नहीं की चिट्ठी भेज दी है। इसमें उन्हें 16 दिसंबर तक 1 लाख 42 हजार रुपए प्रति हाजी जमा करने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 4 अक्टूबर को हुए हज कुर्रा के अगले ही दिन हज कमेटी ऑफ इंडिया ने पहली किस्त जमा करने का फरमान जारी कर दिया था। करीब 1 लाख 30 हजार रुपए की यह पहली किस्त इसी माह की 11 तारीख तक जमा कराई गईं हैं।जमा होंगे अरबों रुपए जानकारी के मुताबिक देशभर के हज कोटे करीब 1 लाख 75 हजार में से करीब 70 प्रतिशत कोटा हज कमेटी के मार्फत हज पर जाने वालों के लिए है। इस लिहाज से करीब 1 लाख 40 हजार से अधिक हाजी हज कमेटी ऑफ इंडिया की व्यवस्था के साथ हज यात्रा पर जाएंगे। हज कमेटी द्वारा मांगी गई दूसरी किस्त के रूप में उसे पूरे देश से करीब 23 अरब, 40 लाख रुपए हासिल होंगे।

वारविक विश्वविद्यालय, यूके प्रवास के दौरान BAPS श्री स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन-पूजन कर जगत कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर संत समुदाय का शुभ सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ।भगवान स्वामीनारायण की कृपा सदैव संपूर्ण विश्व पर बरसती रहे, सबके जीवन में सुख व समृद्धि का वास हो एवं सबका कल्याण हो, यही प्रार्थना है।

रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, SDRF ने सर्चिंग कर नदी में नौ पनडुब्बियों को ढूंढकर पानी में डुबोया

भोपाल, म.प्र.

ग्वालियर में सिंध नदी के घाटों पर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से पनडुब्बियों से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। इसके चलते तहसीलदार अनिल कुमार ने प्रशासन, माइनिंग और पुलिस की संयुक्त टीम के साथ कैथोदा घाट पर माफियाओं को घेरा। हालांकि, टीम के घाट पर पहुंचने से पहले ही माफिया को भनक लग गई। माफिया ने टीम को आते देख पनडुब्बियों को बीच नदी में ले गए और वहां छोड़कर भाग गए। एसडीआरएफ ने सर्चिंग कर नदी में नौ पनडुब्बियों को ढूंढकर पानी में डुबो दिया। एक पनडुब्बी को जेसीबी से तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान घाट पर कई ग्रामीण जमा हो गए थे, जो कि रेत कारोबारियों को कार्रवाई की सूचना देते रहे। प्रशासन अपने साथ एसडीआरएफ के गोताखोरों को भी ले गए थे पर पनडुब्बियां नदी में बहुत अंदर होने के कारण वह पनडुब्बियों तक नहीं पहुंच पाए।

डबरा से मोटर बोट मंगाई और 2.5 किमी क्षेत्र में सर्चिंग कर नौ पनडुब्बियों को ढूंढ लिया। टीम ने मौके से 70 से अधिक ड्रम और पाइप जब्त किए हैं।वहीं, नायब तहसीलदार अनिल कुमार का कहना है कि कैथोदा रेत खदान पर माइनिंग और पुलिस विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाकर कार्रवाई की गई थी। टीम को देख माफिया भाग गए थे। मौके पर एक पनडुब्बी को जेसीबी से तोड़कर नष्ट किया और नदी में मिलीं नौ पनडुब्बियों को नदी में डुबो दिया गया। हम घाट पर नजर बनाए हुए हैं।

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामलों में अब संबंधित विभाग को चार माह में देनी होगी अभियोजन की स्वीकृति

भोपाल, म.प्र.

मध्य प्रदेश में शासकीय सेवकों पर चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों में संबंधित विभाग अभियोजन की स्वीकृति को लटकाकर नहीं रख सकेंगे। उन्हें चार माह में अभियोजन स्वीकृति देनी ही होगी। केंद्र सरकार ने इसे लेकर राज्यों को निर्देश दिए हैं कि भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन की स्वीकृति देने में विलंब नहीं होना चाहिए। कहा गया है कि ऐसे मामलों में चार माह के भीतर आरोपित शासकीय सेवक के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी जाए। इसके आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में वैसे तो तीन माह में अभियोजन की स्वीकृति दी जानी चाहिए, पर विशेष परिस्थिति में यह अवधि अधिकतम एक माह बढ़ाई जा सकती है।अभियोजन की स्वीकृति लंबित है भारत सरकार के कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। बता दें, मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार से जुड़े 274 प्रकरण लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में चल रहे हैं। इनमें अधिकतर मामलों में अभियोजन स्वीकृति लंबित है।लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में 35 कलेक्टर-एसडीएम सहित 27 विभागों के 274 आरोपित विधानसभा में दी गई जानकारी के आधार पर लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में 35 कलेक्टर-एसडीएम सहित 27 विभागों के 274 शासकीय अधिकारी -कर्मचारी आरोपित बनाए गए हैं। इनमें सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी रमेश थेटे के विरुद्ध 25 प्रकरण दर्ज है। अधिकांश प्रकरणों में रमेश थेटे के साथ तहसीलदार आदित्य शर्मा भी आरोपित बनाए गए हैं। इनके विरुद्ध वर्ष 2013 में ही अलग-अलग दिनांक को विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वर्ष 2014 और 2015 में अभियोजन स्वीकृति मांगी गई थी।

शिवपुरी में दलित युवक की हत्या को लेकर जीतू पटवारी,कमलनाथ,सिंघार ने खड़े किए सवाल,सुरक्षा देने की मांग

भोपाल, म.प्र.

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में दलित युवक नारद जाटव की हत्या मामले में प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस प्रदेश सरकार पर सुरक्षा व्यवस्था में नाकाम रहने का आरोप लगा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रदेश में दलित और आदिवासियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने की मांग की है। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्य प्रदेश में जंगल राज बताया है। गौरतलब है कि इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को घेरा है। उसका आरोप है कि भाजपा ने प्रदेश में जंगलराज की अति कर दी है और आम आदमी बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। जीतू पटवारी बोले दलित परिवारों पर लगातार अत्याचार पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि 'भाजपा का राज आज दलितों के लिए शोषण और अत्याचार का पर्याय बन चुका है। 21वीं सदी में भी मेरे दलित परिवारों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। प्रदेश के गृहमंत्री विदेश में छुट्टियां मना रहे हैं, और यहां उनके संरक्षण में पनप रहा माफिया मेरे दलित परिवारों पर हर रोज़ अत्याचार के नए क़िस्से लिख रहा है।'गौरतलब है कि शिवपुरी जिले के सुभाषपुरा थाना क्षेत्र के इंदरगढ़ गांव में एक दलित युवक, नारद जाटव (28 वर्ष) की हत्या के बाद से हड़कंप की स्थिति है। नारद जाटव कुछ दिन पहले ही अपनी मामी विद्याबाई जाटव के घर इंदरगढ़ गांव आया था। मंगलवार शाम को बोर से पानी लेने को लेकर सरपंच पदम धाकड़ के परिवार के लोगों से उसका विवाद हुआ। नारद ने सरपंच के खेत से

पानी लेने का प्रयास किया था, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और सरपंच के बेटे निक्की, मोहर पाल और भतीजे अंकेश समेत कुछ अन्य लोगों ने उसे लाठियों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। नारद को तब तक पीटा गया जब तक वह मरणासन्न स्थिति में नहीं आ गया। जब परिजन उसे अस्पताल ले गए तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस जघन्य घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक को बेरहमी से पीटते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया और प्रदेश सरकार पर कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर हमला किया है। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री से की ये मांग पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी घटना की निंदा करते हुए सीएमल डॉ. मोहन यादव से दलितों और आदिवासियों को विशेष सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि 'शिवपुरी के इंदरगढ़ में एक दलित युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुए इस हत्याकांड के बाद एक बार फिर साबित हो गया है कि मध्य प्रदेश में दलित वर्ग सुरक्षित नहीं है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जिस दिन प्रदेश में दलितों पर अत्याचार की घटना नहीं होती हो। भाजपा के शासन में दबंगों के हौसले बढ़ रहे हैं और दलित तथा आदिवासियों के अत्याचार छीनना उनकी आदत बन गई है। दुर्भाग्य की बात है मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव इस तरह के विषयों पर कुछ भी कहने से बचते हैं और दलितों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव से माँग करता हूं कि प्रदेश में दलित और आदिवासियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने साधा निशाना पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने एक्स पर दबंगों की पिटाई का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि मप्र दलितों-आदिवासियों की कब्रगाह बन गया है। लॉ एंड आर्डर वेंटिलेटर पर है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दलितों पर अत्याचार के मामले में मप्र तीसरे स्थान पर है, शिवपुरी जिले के ग्राम इंदरगढ़ में दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया, जहां दबंगों ने दलित नारद जाटव को पीट पीटकर मौत के घाट उतार दिया

रावत का दर्द छलका, बोले- समय से पहले भाग्य से ज्यादा कुछ नहीं मिलता, सिंधिया को लेकर यह कहा

भोपाल, म.प्र.

विजयपुर उपचुनाव में हार के बाद रामनिवास रावत ने भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया था कि कुछ नेताओं ने चुनाव प्रचार में मदद नहीं की। इसके बाद रावत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस्तीफा भी भेजा था। इस बीच, बुधवार को भोपाल में भाजपा संगठन और वीडी शर्मा से मुलाकात के बाद उनके सुर बदल गए। मीडिया से बातचीत करते हुए रावत ने कहा कि समय से पहले और भाग्य से ज्यादा कुछ नहीं मिलता। मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है, चुनाव में सबने मेरी मदद की। हार का विश्लेष पार्टी का काम है रावत ने यह भी कहा कि हार का विश्लेषण

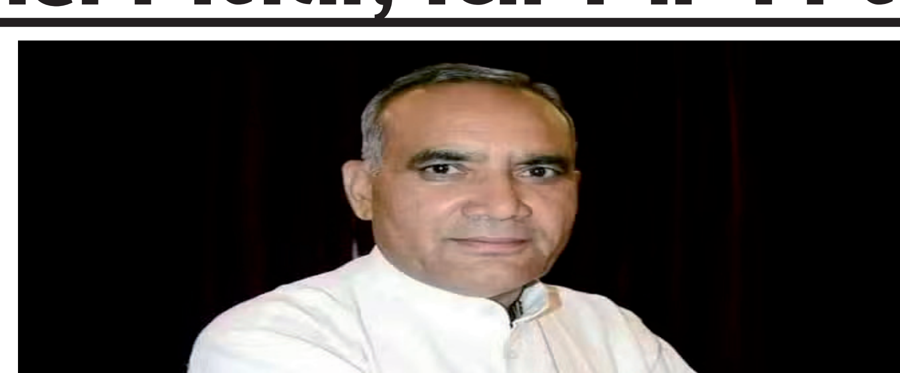

पार्टी का काम है और संगठन को इस बारे में समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने यह स्वीकार किया कि समय और भाग्य का बड़ा प्रभाव होता है, जब समय साथ देता है, तो सभी साथ देते हैं, लेकिन जब समय साथ नहीं देता, तो परछाई भी साथ छोड़ देती है। मंत्री पद पर इस्तीफा देने के सवाल पर रावत ने कहा कि इस्तीफा भेज दिया है, लेकिन यह मुख्यमंत्री का अधिकार है कि वह इसे स्वीकार करें। उन्होंने इस दौरान अपनी अगली भूमिका के बारे में कहा कि अगर पार्टी कोई दायित्व देती है, तो वह उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे।सिंधिया के प्रचार करने पर बोले उनसे और संगठन से पूछे वहीं, उपचुनाव में उनके समर्थन में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रचार नहीं करने के सवाल पर रावत ने कहा कि यह तो उनसे और संगठन से पूछना चाहिए। इसमें मैं क्या बता सकता हूं। बता दें, अभी रावत का इस्तीफा होल्ड पर है, क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विदेश दौरे पर हैं, उनके लौटने के बाद उनके इस्तीफे को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मक्का-मदीना की गलियों में भी दी जा रही इज्तिमा दावत, 29 से शुरू होगा मजहबी समागम, जानें आयोजन

भोपाल, म.प्र.

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े मजहबी समागम आलमी तबलीगी इज्तिमा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राजधानी भोपाल के ईंटखेड़ी में होने वाले इस आयोजन के लिए देश ही नहीं दुनिया के दूसरे मुल्कों में भी उत्साह है। अपने देश से उमराह सफर पर सऊदी अरब पहुंचे अकीदतमंद पराए मुल्क में भी इस मजहबी समागम में शरीक होने की दावत वहां मौजूद लोगों को दे रहे हैं। आलमी तबलीगी इज्तिमा का आगाज इस माह की 29 तारीख को होगा। ईंटखेड़ी पर होने वाले इस आयोजन के इज्तिमगाह पूरी तरह से तैयार हो गया है। यहां आने वाले लाखों जमातियों के ठहरने और बैठने के लिए पंडाल आकार ले चुका है। स्थाई और अस्थाई टॉयलेट के अलावा बड़ी तादाद में वजूखाने और खानपान के जोन यहां तैयार हैं। छोटे बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए पार्किंग जोन भी यहां बना दिए गए हैं। टेलीफोन, फायर सेफ्टी, मेडिकल और अन्य जरूरत के पंडाल

भी इस्तीमगाह का हिस्सा बन चुके हैं। इस्तीमगाह से लेकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट तक आवाजाही सुगम बनाने का रोडमैप भी तैयार है। साथ ही इनकी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वालेंटियर्स के जत्थों ने भी अपनी तैयारियों को पुख्ता कर लिया है। पुलिस प्रशासन भी लाखों लोगों के इस मजमे को सहेजने के लिए अपनी तैयारियों की रिहर्सल कर चुका है। जिला प्रशासन के साथ नगर निगम, पीएचई, पीडब्लूडी, बिजली विभाग समेत अन्य विभागों ने अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए खुद को झोंक दिया है।पहुंचने लगीं जमातें देश दुनिया से आने वाली जमातों ने तबलीगी जमात के भोपाल मरकज पर आमद देना शुरू कर दिया है। यहां से वे शहर की विभिन्न मस्जिदों का रुख कर रही हैं। जहां वे इज्तिमा का मकसद और इससे होने वाले दीनी फायदे समझा रहे हैं। मक्का-मदीना में भी इज्तिमा का चर्चा भोपाल इज्तिमा की बातें सऊदी अरब में मौजूद लोगों के बीच भी हैं। उमराह सफर पर भोपाल, मप्र और अपने देश से पहुंचे लोग इसका खामोश प्रचार कर रहे हैं। भोपाल से उमराह सफर पर पहुंचे जाहिद मंसूरी और उनके परिजन के साथ मौजूद छोटे बच्चों में भी इसका उत्साह है।

|| संपादकीय ||

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक-दूसरे को भाई समान समझें। यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नीड़-सा लगे। भारत में हिन्दू-मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है- आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति में सही दिशा बताता है।लाइव खेल ऑनलाइन देखें

• ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

किताबी शिक्षा बनाम व्यवहारिक शिक्षा

डिग्रीयां तो पढ़ाई के खर्चे की रसीदें है - ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके

व्यवहारिक ज्ञान के महत्व की करें तो स्कूल में जब बच्चों से हाथ से प्रोजेक्ट बनवाए जाते हैं तो बच्चे व उनके अभिभावक बहुत खुश होते है। जब वे खुद कैंची से कागज काटते हैं तब व्यवहारिक ज्ञान आता है। हाथ से किया हुआ कार्य हम कभी नहीं भूलते और वही जीवन में काम आता है। किताब साइकिल चलाना नहीं सिखा सकती पर हमने एक बार चला ली तो जीवन भर नहीं भूलते। तिाबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है।याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वतः संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्यवहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों भारत में कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि कौशलता विकास पर जोरदार तरीके से फोकस किया जा रहा है जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय का भी गठन किया गया है जो अनेक राज्यों में विभिन्न स्तरोंपर कौशलता विकास का जन जागरण अभियान चला रहा हैं। इसके लिए हुनर हाट सहित अनेकों कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मेरा मानना है कि इनका सबसे सटीक कारण हर नागरिक को नौकरी पाने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाना है, जिससे बेरोजगारी की समस्या भी दूर होगी और जो कौशलता के रूप में ज्ञान प्राप्त करेंगे, उनके किरदार में भी झलकेगा जो हमारी सदियों पुरानी संस्कृति भी रही है। इसके विपरीत हम देखते हैं कि किताबी पढ़ाई वाली डिग्रियां जिसे हम पढ़ाई के खर्चे की रसीदें भी कर सकते हैं, प्राप्त करने के बाद भी इंटर्नशिप या प्रैक्टिकल ट्रेनिंग लेना जरूरी होता है। केवल डिग्री के बलपर हम अपने व्यवसाय में प्रैक्टिस नहीं कर सकते या किसी जॉब में शामिल होने के बाद भी उसकी ट्रेनिंग लेनी होती है और हमारा किरदार उसमें झलकता है कि हम इसके विशेषज्ञ हैं फ़िर भी अक्सर देखा गया है कि बड़ी-बड़ी डिग्रियां प्राप्त करने के बाद जब सेवा करनें का मौका आता है तो अनेक लोग विदेशों में जाकर सेवाएं प्रदान करते हैं और वही बस जाते हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि डिग्रियां तो पढ़ाई की रसीदें हैं, परंतु ज्ञान तो वही है जो किरदार में झलके।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की

परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा, अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है।ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेशन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबी अनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढकोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो!! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो !तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? अच्छा हुआ हम तो अनपढ़ ही बहुत अच्छे है।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान के महत्व की करें तो स्कूल में जब बच्चों से हाथ से प्रोजेक्ट बनवाए जाते हैं तो बच्चे व उनके अभिभावक बहुत खुश होते है।जब वे खुद कैंची से कागज काटते हैं तब व्यवहारिक ज्ञान आता है। हाथ से किया हुआ कार्य हम कभी नहीं भूलते और वही जीवन में काम आता है। किताब साइकिल चलाना नहीं सिखा सकती पर हमने एक बार चला ली तो जीवन भर नहीं भूलते। अच्छे अच्छे सांइस पढ़ाने वालों को यह नहीं पता होता कि एक लोहे के टुकड़े को कैसे पता चलता है कि उसके आसपास एक चुम्बक है और उसे उसी ओर जाना है? या चुम्बक को कैसे मालूम कि मुझे लोहे के टुकड़े को अपनी ओर खींचना है? यह टीचर नें व्यवहारिक ज्ञान से सिखाया। एक स्कूल में बच्चों से लगभग 600 प्रोजेक्ट बनवाए, हाथ से नमकीन मिक्सचर केक, बिस्कुट इत्यादि बनाना व बेचना। यह व्यवहारिक ज्ञान उनके जीवन में बहुत काम आएगा।व्यवहारिक ज्ञान, अनुभव और अभ्यास से प्राप्त किया जा सकता है। यहां कुछ तरीके हैं जिनसे आप व्यवहारिक ज्ञान को विकसित कर सकते हैं: (1)अभ्यास करें: ज्ञान को प्राप्त करने के लिए अभ्यास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो, आपको नियमित अभ्यास के माध्यम से उसमें दक्षता प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए।(2) गुरु से सीखें: अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए उन लोगों से संपर्क करें जो आपके क्षेत्र में एक्सपर्ट हैं।उनके मार्गदर्शन में आप अपने दक्षता को बढ़ा सकते हैं। (3) दूसरों के साथ अनुभव साझा करें: अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों या समुदाय के अन्य लोगों के साथ अनुभव साझा करने से आप उनके अनुभव से भी सीख सकते हैं और अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। (4) समस्याओं का सामना करें: समस्याओं का सामना करने से आपको व्यवहारिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। समस्याओं के समाधान के लिए अपने दिमाग को चुनौतियों के सामना करने की अनुमति दें। (5) पुस्तकें और संसाधनों का उपयोग करें: अपने विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकें,आर्टिकल्स वेबसाइट्स और वीडियोस का उपयोग करें। आजकल इंटरनेट पर भी अनेक विशेषज्ञ संसाधन उपलब्ध हैं। (6) अपने गलतियों से सीखें:कभी-कभी हमगलतियों करते हैं। इससे हमें कुछ न कुछ सीखने का मौका मिलता है। गलतियों के माध्यम से आप अपने व्यवहारिक ज्ञान में सुधार कर सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो हमारे मानवीय गुणों को भी विकसित करें। हमें संवेदनशील, सहनशील और व्यवहारिक के साथ-साथ देश और समाज के प्रति जागरूक भी बनाएं। जैसे प्राचीन काल में गुरुकुल में होती थी।जहाँ ना सिर्फ पुस्तक ज्ञान सिखाते थे बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवहारिक और शस्त्र ज्ञान भी शिक्षा के साथ साथ ही सिखाया जाता था। अगर अच्छी किताबी शिक्षा या व्यवहारिक शिक्षा होने के बावजूद भी हम दकियानुसी सोच रखते हैं।अपने घर को साफ रखते हैं,पर सड़क पर कचरा करते है।दूसरो की पर्सनल लाईफ़ पर कमेंट करते हैं तो हमारे शिक्षित होने का क्या अर्थ है?इसलिए व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान में परिपक्व व्यक्तित्व का किरदार अगर किताबी ज्ञान की डिग्रियां ले तो सोने पर सुहागा होगा।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

कांग्रेस अब भी प्रासंगिक

बेशक कांग्रेस महत्वपूर्ण चुनावों में पराजित होती रही है, उसमें बिखराव और अलग-अलग नजरिये भी सामने आते रहे हैं, लेकिन कांग्रेस आज भी जिंदा और प्रासंगिक राजनीतिक पार्टी है। करीब 20 फीसदी मतदाताओं की पसंद आज भी कांग्रेस है। मतदाताओं और समर्थकों की संख्या करोड़ों में है। भारतीय लोकतंत्र के लिए कांग्रेस की मौजूदगी और उसका राजनीतिक अस्तित्व बेहद जरूरी है। कांग्रेस लोकतंत्र में अपनी बात कहने और सत्ता से असहमति जताने का विस्तृत, पुराना और पुख्ता मंच है। महाराष्ट्र जनादेश के मद्देनजर जो राजनीतिक और चुनावी विश्लेषक कांग्रेस का फातिहा पढ़ रहे हैं और उसके वजूद पर सवाल उठा रहे हैं, दरअसल वे अपनी पेशेवर ईमानदारी से बेईमानी कर रहे हैं। उनके विश्लेषण पूर्वाग्रही और कांग्रेस-विरोधी हैं। यथार्थ स्थिति यह है कि लोकसभा में आज भी कांग्रेस के 98 सांसद और नेता प्रतिपक्ष हैं। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस सरकारें हैं। झारखंड, तमिलनाडु जैसे राज्यों में कांग्रेस सत्ता में साझेदार दल है। दरअसल देश के 20 राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए कांग्रेस आज भी प्रथम, प्रत्यक्ष चुनौती है। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक दल खत्म, अस्तित्वहीन नहीं हुआ करते। भाजपा ही इसका सबसे बड़ा, प्रमाणित उदाहरण है। 1984 के आम चुनाव में भाजपा मात्र दो सांसदों तक सिमट गई थी। उसके शिखर-पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी भी चुनाव हार गए थे, लेकिन 1996 के बाद भाजपा हर लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर रही है। मई, 2014 से लगातार वह देश की सत्ता पर काबिज है। यह स्थिति कांग्रेस की क्यों नहीं हो सकती? कांग्रेस को 1989 के बाद लोकसभा चुनाव में कभी भी बहुमत हासिल नहीं हुआ। हालांकि उसकी अल्पमत और गठबंधन की सरकारें बनती रही हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल भी पूरे किए हैं। यही बिंदु है, जिस पर कांग्रेस नेतृत्व को व्यापक मंथन करना है।

सवाल है कि मंथन कौन करेगा और वह कितना ईमानदार प्रयास होगा? मंथन की दिशा कौन तय करेगा और किसका नेतृत्व सर्व स्वीकार्य होगा? यही बुनियादी चिंता और विरोधाभास भी है। इतने बड़े और राष्ट्रीय समर्थन के बावजूद कांग्रेस का नेतृत्व एक एनजीओ या एक कंपनी सरीखा लगता है, जिसमें 'विरोध' की कोई गुंजाइश ही नहीं है। नेतृत्व सिर्फ मल्लिकार्जुन खडग़े ही नहीं हैं। वह तो कुछ साल के लिए निर्वाचित अध्यक्ष हैं, लेकिन आज भी नेतृत्व तो गांधी परिवार ही करता है। दरअसल कांग्रेस कार्यसमिति पार्टी का सर्वोच्च, निर्णायक निकाय है। वह राजनीतिक चापलूसों का मंच है। अधिकतर नेता राज्यसभा में घुसेड़े गए हैं। अलबत्ता वे लोकसभा या विधानसभा चुनाव जीतने लायक भी नहीं हैं, लेकिन वे कांग्रेस की देशव्यापी रणनीति, संसदीय रणनीति, वैचारिक आधार-भूमि तय करने वाले हैं। जब उन्हें देश के यथार्थ का ज्ञान अथवा एहसास ही नहीं है, तो दशकों से वे ही पार्टी की रणनीति कैसे तैयार कर रहे हैं? कांग्रेस को जनादेश आखिर कैसे मिलेंगे? महाराष्ट्र जनादेश की प्रतिक्रिया में अलग-अलग बयान दिए गए हैं। यहां तक कहा गया है कि यह जनता का फैसला नहीं है, लिहाजा कांग्रेस को स्वीकार्य नहीं है। क्या जनादेश पर सवाल, संदेह जताते हुए कांग्रेस आत्ममंथन कर सकती है? क्या ऐसा चिंतन आत्मघाती ही साबित नहीं होगा? दरअसल कांग्रेस के लिए यह आमूल परिवर्तन का दौर है। बेशक इसकी शुरुआत गांधी परिवार को ही करनी चाहिए। कांग्रेस को गांधी परिवार से मुक्त नहीं किया जा सकता।

टेक्नोलॉजी

Blinkit-Zepto को टक्कर देने की तैयारी में Amazon! 10 मिनट में घर-घर पहुंचाएगा सामान, कब लॉन्च होगी सर्विस?

अमेजन जल्द ही भारतीय मार्केट में अपना एक नया वेंचर शुरू करने की तैयारी में है. कहा जा रहा है कि कंपनी जल्द ही क्विक डिलीवरी सर्विस भारत में लॉन्च करने वाली है.

भारत की दिग्गज ई-कॉमर्स साइट Amazon जल्द ही Blinkit और Zepto जैसे प्लेटफॉर्म को टक्कर देने आ रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेजन जल्द ही भारतीय मार्केट में क्विक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म लेकर आने की तैयारी में है. अमेजन की इस सर्विस के तहत Blinkit और Zepto की तरह ही 10 मिनट में सामान आपके घर पहुंच जाएगा. आइए, इसके बारे में डिटेल में जानते हैं.

Economic Times की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन जल्द ही भारतीय मार्केट में अपना एक नया वेंचर शुरू करने की तैयारी में

है. कहा जा रहा है कि कंपनी जल्द ही क्विक डिलीवरी सर्विस भारत में लॉन्च करने वाली है. फिलहाल कंपनी ने इस संबंध में किसी प्रकार की ऑफिशियल जानकारी रिवील नहीं की है. यह सर्विस दिसंबर या फिर 2025 की शुरुआत में रोलआउट हो सकती है. इस सर्विस के आने से ग्राहक आसानी से घर बैठे सामान मंगवा पाएंगे. हालांकि, सभी प्लेटफॉर्म्स पर सामान के दामों में अंतर नजर आ सकता है. बता दें कि अमेजन फ्रेश से अभी ग्राहक सामान मंगवाते हैं, जिसकी 24 से 48 घंटे के बीच डिलीवरी होती है.

जानें कब लॉन्च होगी सर्विस - रिपोर्ट के मानें तो अमेजन की क्विक कॉमर्स डिलीवरी सर्विस तेज है. हालांकि, अभी इस नाम पर अंतिम मुहर लगना बाकी है. उम्मीद की जा रही है कि लॉन्च से पहले इसे खुलासा कर दिया जाएगा. यह सर्विस दिसंबर या फिर 2025 की शुरुआत में रोलआउट हो सकती है.

Blinkit, Swiggy Instamart और Zepto की बढ़ेगी मुसीबत - अमेजन की ये सर्विस मौजूदा डिलीवरी प्लेटफॉर्म जैसे Blinkit, Swiggy Instamart और Zepto को कड़ी टक्कर देने वाली है. रिपोर्ट्स की मानें तो इससे अन्य डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स को कड़ी टक्कर मिल सकती है. वहीं, अमेजन नई सर्विस लॉन्च करने के बाद नए कर्मचारियों की भी हायरिंग हो सकती है. हालांकि, अभी कंपनी की ऑफिशियल जानकारी आने का इंतजार है.

जनरल नॉलेज

27 करोड़ में बिके ऋषभ पंत अगर चोटिल हो जाते हैं तो तब भी मिलेंगे पूरे पैसे? जान लीजिए जवाब

IPL इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने ऋषभ पंत अगर चोटिल हो जाते हैंय तब भी क्या उन्हें 27 करोड़ की रकम पूरी मिलेगी. चलिए आपको बताते हैं इसका जवाब.

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल दुनिया की दूसरी सबसे महंगी स्पोर्ट्स लीग है. अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग यानी एनएफएल के बाद आईपीएल का नंबर आता है. साल 2025 के आईपीएल सीजन के लिए हाल ही में 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा शहर में मेगा ऑक्शन कंप्लीट हुआ. जिसमें टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे.

संजीव गोयनका की लखनऊ सुपरजाइंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ की भारी भरकम रकम देकर अपनी टीम का हिस्सा बनाया. आईपीएल ऑक्शन में बहुत से खिलाड़ी भारी भरकम रकम हासिल करने के बाद चोटिल हो जाते हैं. कोई बीच सीजन ही चोट बाहर हो जाता है. तो कोई पूरा सीजन खेले बिना बाहर हो जाता है. अगर ऋषभ पंत चोटिल हो जाते हैं तब भी क्या उन्हें 27 करोड़ की रकम पूरी मिलेगी. चलिए आपको बताते हैं इसका जवाब.

इस कंडीशन में मिलेंगे पूरे पैसे - इंडियन प्रीमियर लीग में चोटिल खिलाड़ियों की सैलरी को लेकर नियम तय किए गए हैं. नियमों के मुताबिक अगर कोई खिलाड़ी आईपीएल ऑक्शन में बिकने के बाद बिना कोई मैच खेल ही चोटिल हो जाता है और टूर्नामेंट से बाहर हो जाता है. तो फिर ऐसे में फ्रेंचाइजी यानी टीम खिलाड़ी को कोई भी पैसे नहीं देगी.

लेकिन अगर कोई खिलाड़ी एक मैच खेल करके भी चोटिल हो जाता है और टूर्नामेंट से बाहर हो जाता है. तो फिर फ्रेंचाइजी की ओर से उसे पूरे पैसे दिए जाएंगे. यह नियम आईपीएल खेलने वाले सभी खिलाड़ियों पर लागू होता है. लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए इसमें थोड़ा बदलाव भी किया गया है.

भारतीय खिलाड़ियों का होता है इंश्योरेंस - भारतीय खिलाड़ियों को बीसीसीआई की ओर से इंश्योरेंस दिया जाता है. दरअसल अगर कोई भारतीय खिलाड़ी टीम इंडिया की ओर से खेलते हुए अपनी नेशनल ड्यूटी पर चोटिल हो जाता है तो ऐसे में इंश्योरेंस के तहत बीसीसीआई की ओर से उसे फ्रेंचाइजी की तरफ से मिलने वाली रकम अदा की जाती है. क्योंकि चोट के कारण वह पूरे सीजन से बाहर हो गया तो ऐसे में फ्रेंचाइजी से पैसे नहीं देगी.

इसीलिए बीसीसीआई भारतीय खिलाड़ियों को इसके लिए इंश्योरेंस देती है. रिषभ पंत के मामले में भी यही है. लेकिन अगर कोई खिलाड़ी टीम इंडिया से बाहर है और नहीं खेल रहा लेकिन चोटिल हो जाता है. तो ऐसे में उस खिलाड़ी को ना बीसीसीआई की ओर से इंश्योरेंस के पैसे दिए जाएंगे.

कनाडा के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान, जस्टिन ट्रूडो की बढ़ेंगी मुश्किलें

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथग्रहण के पहले ही कनाडा की मुश्किलें बढ़ा दी है। सोमवार को ट्रंप ने ऐलान किया कि वह कनाडा से अमेरिका आने वाले हर उत्पाद पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप ने कनाडा के अलावा अमेरिका के एक और पड़ोसी देश मेक्सिको से भी आयात होने वाले उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह चीन से आने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप का कहना है कि कनाडा और मेक्सिको के खिलाफ ये प्रस्तावित टैरिफ अवैध प्रवासियों और ड्रग्स को रोकने के लिए जरूरी हैं। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल नेटवर्क पर एक पोस्ट में लिखा कि 20 जनवरी को व्हाइट हाउस में प्रवेश करते ही वह कनाडा, मेक्सिको और चीन के खिलाफ टैरिफ लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने कहा, "सभी को पता है कि कनाडा और मेक्सिको से हजारों लोग अमेरिका में घुस रहे हैं। ये लोग अपने साथ ड्रग्स ला रहे हैं और कई अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। जिस स्तर पर ये सब हो रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ।" ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की कई बार आलोचना की है। उन्होंने ट्रूडो को 'घोर-वामपंथी पागल' कहा था। अमेरिका में कोई भी राष्ट्रपति कमान संभालने के बाद पारंपरिक रूप से पहला विदेशी दौरा कनाडा या मेक्सिको का करता था लेकिन ट्रंप ने 2017 में पहला विदेशी दौरा सऊदी अरब का किया था। इसे भी कनाडा के खिलाफ ट्रंप के गुस्से के तौर पर देखा गया था। कनाडा की आर्थिक स्थिति पहले से ही चिंताजनक है। ट्रंप के नए ऐलान से इसके और ज्यादा बिगड़ने की आशंका है। कनाडा का 75 प्रतिशत निर्यात अमेरिका में होता है. ऐसे में 25 प्रतिशत का टैरिफ कनाडा को भारी पड़ सकता है। ट्रंप ने टैरिफ लगाने का ऐलान तब किया है, जब कनाडा में चुनाव होने हैं। कई सर्वे में बताया गया है कि जस्टिन ट्रूडो की कंजरवेटिव पार्टी चुनाव हार सकती है। ऐसे में चुनाव से पहले ट्रंप के फैसले से कनाडा में ट्रूडो की हालत और ज्यादा खराब हो सकती है। कनाडा के रिश्ते पहले से ही चीन और भारत के साथ बेहद खराब हैं। ऐसे में कनाडा के लिए अपने व्यापार को अमेरिका से बाहर ले जाना आसान नहीं है। अगर कनाडा दूसरे देशों की ओर जाता भी है तो उसे फौरी राहत नहीं मिलने वाली है। कनाडा की ट्रूडो सरकार भारत के खिलाफ खालिस्तानी आतंकवादियों को पाल रही है। इतना ही नहीं, ट्रूडो ने सार्वजनिक तौर पर भारत पर एक खालिस्तानी आतंकी की हत्या का आरोप भी लगाया है। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध निचले स्तर पर हैं। जस्टिन ट्रूडो की विदाई के बाद कनाडा में जो भी सरकार में आएगा, उसके लिए भारत से दोस्ती करना मजबूरी होगी। पहले से ही कनाडा में रहना काफी महंगा हो चुका है। लोग घर संकट का सामना कर रहे हैं। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका लगातार टैरिफ बढ़ा रहा है। ऐसे में कनाडा के पास व्यापारिक और रणनीतिक रूप से भारत के करीब जाना मजबूरी होगी। वहीं, भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है। ऐसी संभावना है कि अगले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

तीसरे विश्वयुद्ध में चलेंगे परमाणु बम, खत्म हो जाएगी दुनिया की एक तिहाई आबादी, ईसाई बिशप की भविष्यवाणी ने डराया

एजेंसी केनबरा

सिडनी के बिशप मैर मैरी इमैनुअल ने तीसरे विश्व युद्ध और उसके विनाशकारी परिणामों के बारे में बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहना है कि तीसरा विश्व युद्ध भयंकर तबाही लेकर आएगा और इस लड़ाई में दुनिया की एक तिहाई आबादी मारी जाएगी। बिशप का दावा है कि जो लोग बचेंगे, उन पर इस लड़ाई के इतने खराब प्रभाव पड़ेंगे कि वह सोचेंगे हम भी क्यों नहीं मर गए। उन्होंने तीसरे विश्व युद्ध में परमाणु बमों के इस्तेमाल पर दुनिया को गंभीर चेतावनी भी दी है। इमैनुअल ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के एक जानेमाने बिशप हैं। उन्होंने यह भविष्यवाणी एक्स पर की है, जिसमें तीसरे विश्व युद्ध में बड़े स्तर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि परमाणु युद्ध के कारण दुनिया की एक तिहाई आबादी खत्म हो जाएगी और यह मानवता के लिए अब तक का सबसे विनाशकारी समय होगा। बिशप इमैनुअल ने एक्स पर साझा अपने वीडियो संदेश में कहा, 'तीसरे विश्व युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से दुनिया की एक तिहाई आबादी मारी जाएगी। बाकी बचे दो तिहाई लोग युद्ध के बाद चाहेंगे कि काश वे पैदा ही ना हुए होते। ये बहुत भयावह होगा, हम जल्द ही आसमान में रॉकेट उड़ते हुए देखेंगे। मानव जाति के लिए कोई उमीद नहीं है। बिशप ने परमाणु हथियारों पर भी दुनिया को चेताया है। उन्होंने कहा कि इन हथियारों को इस्तेमाल करने के लिए ही बनाया गया है ना कि संभाल कर रखने या उनके साथ सेल्फी लेने के लिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल जल्दी ही देखने को मिल सकता है। ये दुनिया के लिए तबाही बनकर आएगा। ईसाई धर्मगुरु इमैनुएल की यह भयावह भविष्यवाणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका की फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने परमाणु हमले से बचने के लिए एक दिशानिर्देश जारी किया है। शीत युद्ध के समय की याद दिलाते हुए एजेंसी नेपरमाणु सिमुलेशन जारी किया गया है। ये बताता है कि अगर रूस की ओर से अमेरिका पर परमाणु हमला करता है तो कितने लोग मारे जाएंगे। बीते कुछ समय में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध और बढ़ते तनाव के बीच परमाणु युद्ध की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में बिशप की यह चेतावनी दुनिया का ध्यान खींच रही है।

युद्ध में गेमचेंजर या सफेद हाथी ? रूस ने ऑफर किया सबसे तेज सुपरसोनिक परमाणु बॉम्बर Tu-160M, भारत के लिए फायदे का सौदा

एजेंसी मॉस्को

रूस ने भारत को Tu-160M स्ट्रेटेजिक बॉम्बर देने की पेशकश की है। इस बमवर्षक के मिलने से इंडियन एयरफोर्स की ताकत बढ़ सकती है लेकिन इसकी कीमत, रखरखाव और रणनीतिक असर पर भी भारत को विचार करना होगा। ऐसे में ये सवाल है कि व्हाइट स्वान (सफेद हंस) कहा जाने वाला Tu-160M भारत लेता है तो ये उसके लिए फायदे का सौदा साबित होगा या फिर ये इंडियन फोर्स के लिए सिर्फ सफेद हाथी बनकर रह जाएगा। रूसी कंपनी टुपोलेव का विमान Tu-160M दुनिया का सबसे तेज सुपरसोनिक बॉम्बर है। इसे सोवियत संघ ने 1970 के दशक में बनाया था। Tu-160M के नए वर्जन में मॉडर्न एवियोनिक्स, शानदार नेविगेशन सिस्टम और NK-32-02 इंजन है। यह बिना रुके 12,000 किमी तक उड़ान भर सकता है। इससे लंबी दूरी की क्रूज या परमाणु मिसाइलें दागी जा सकती हैं। खास डिजाइन की वजह से यह कम ऊंचाई पर भी तेजी से उड़ान भर सकता है और सभी तरह के मिशन के लिए फिट है। भारतीय वायुसेना मल्टी-रोल फाइटर प्लेन पर ध्यान देती रही है। ऐसे में अगर भारत Tu-160M खरीदता है तो यह रक्षा रणनीति में एक शिफ्ट होगा। इससे भारत के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यह विमान अपनी ताकत दिखाएगा। भारत फिलहाल लंबी दूरी के हमलों के लिए सुखोई Su-30MKI और राफेल जैसे लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर रहा है। इन विमानों की रेंज और क्षमता Tu-160M जितनी नहीं है। Tu-160M परमाणु क्षमता वाली Kh-101 और Kh-102 क्रूज मिसाइलें ले जा सकता है, जो इसे खास बनाता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और क्षेत्रीय विवादों में उसकी आक्रामकता से तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में Tu-160M जैसे स्ट्रेटेजिक बॉम्बर से क्षेत्र में भारत को मजबूती मिलेगी। यह भारत के मौजूदा परमाणु शक्ति को भीमजबूत करेगा। भारत के पास जमीन से मार करने वाली मिसाइलें, पनडुब्बियां और लड़ाकू विमानों से छोड़े जाने वाले परमाणु हथियार हैं। यह बॉम्बर इस शक्ति को और बढ़ाएगा। इससे क्षेत्रीय सैन्य संतुलन भी बदलेगा। चीन के पास H-6 बॉम्बर हैं लेकिन वे Tu-160M के मुकाबले कमजोर हैं।ऐसे में Tu-160M भारत को एक बड़ी बढ़त दे सकता है। रूसी Tu-160M की तमाम खूबियों के साथ इसकी कीमत को भी भारत को देखना होगा, जोकि बहुत ज्यादा है। इसके रखरखाव और ट्रेनिंग पर भारी खर्च आएगा। इंडियन एयरफोर्स को अपने एयरबेस और लॉजिस्टिक सिस्टम को विमान के हिसाब से बदलना होगा। भारत के पास पहले कभी इतने बड़े बॉम्बर नहीं रहे हैं। इसलिए नए तरीके सीखने में भी चुनौती आएगी। वहीं दुश्मन के इलाके में इस बॉम्बर की सुरक्षा पर भी सवाल हैं। फिलहाल Tu-160M भारतीय वायुसेना की प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं है। भारत अभी मिसाइल डिफेंस, एयर सुपीरियॉरिटी फाइटर और लंबी दूरी के हमलों के लिए मल्टी-रोल विमान और क्रूज मिसाइलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एक्सपर्ट का मानना है कि Tu-160M एक शक्तिशाली हथियार है लेकिन इसकी ऊंची कीमत और रखरखाव के खर्च के चलते अभी यह भारत की जरूरतों की लिस्ट में फिट नहीं होता है।

लेबनान पर इजरायल का कहर, 120 सेकेंड में 20 जगहों पर बमबारी, धुआं-धुआं हुआ बेरूत

एजेंसी तेल अवीव

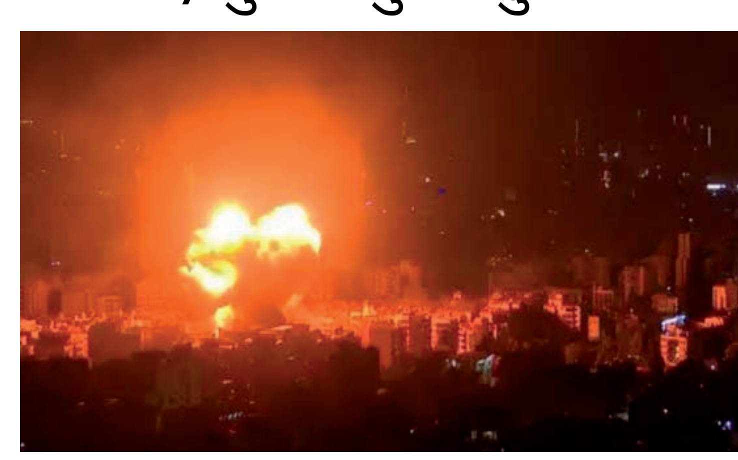

इजरायल ने लेबनान में संघर्ष विराम से चंद घंटों पहले जबरदस्त हमला किया है। बेरूत से आए वीडियो में दिख रहा है कि इजरायली वायु सेना ने मात्र 120 सेकेंड में 20 जगहों पर हमले किए। ये हमले तब किए गए, जब इजरायली कैबिनेट ने तेल अवीव में बैठक कर लेबनान संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दी। एक इजरायली अधिकारी के मुताबित, लेबनान में युद्ध विराम की घोषणा इजरायली समयानुसार आज रात 10 बजे की जाएगी, यह सुबह 10 बजे से प्रभावी होगा। इजरायली हमलों ने बेरूत के घनी आबादी वाले दक्षिणी उपनगरों को नष्ट कर दिया, जो हिजबुल्लाह का गढ़ है, इजरायली सेना ने कहा कि हमलों की एक बौछार ने शहर में केवल 120 सेकंड में 20 लक्ष्यों को निशाना बनाया। इजरायल ने अब तक की सबसे बड़ी निकासी चेतावनी जारी की थी, जिसमें नागरिकों को 20 स्थानों को छोड़ने के लिए कहा गया था। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचे एद्राई ने कहा कि वायु सेना शहर भर में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर "व्यापक हमला" कर रही है। लेबनानी चैनल अल जदीद के अनुसार, लेबनान में युद्ध विराम की घोषणा अमेरिका और फ्रांस द्वारा रात 10 बजे की जाएगी। राष्ट्रपति बाइडन और मैक्रों रात के दौरान समझौते की घोषणा करेंगे। यह कथित समझौता कल सुबह 10 बजे प्रभावी होगा। यह कई दिनों की तनावपूर्ण अंतिम-मिनट की बातचीत के बाद हुआ है, जिसमें इज़रायल ने फ्रांस और इज़रायल के बीच मौजूदा राजनयिक तनाव का हवाला देते हुए लेबनान में सुरक्षा स्थिति के गारंटर के रूप में फ्रांस को हटाने पर जोर दिया था। संयुक्त राष्ट्र के अधिकार प्रमुख ने लेबनान में बढ़ते हमलोंपर चिंता व्यक्त की और उनके कार्यालय ने कहा कि हाल के दिनों में इज़रायली हवाई हमलों में लगभग 100 लोगों के मारे जाने की सूचना मिली है, जिनमें महिलाएं, बच्चे और चिकित्सक शामिल हैं। हालांकि, इस बात का कोई संकेत नहीं था कि लेबनान में युद्ध विराम से तबाह गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई में तेजी आएगी, जहां इजरायल फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास से लड़ रहा है।

अमेरिका की बराबरी की ओर एक कदम और बढ़ा चीन, बनाने जा रहा परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर, भारत के लिए बड़ी टेंशन

एजेंसी बीजिंग

चीन कथित तौर पर न्यूक्लियर-पावर एयरक्राफ्ट कैरियर विकसित करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में हाल ही में इससे जुड़ी रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने न्यूक्लियर रिएक्टर का प्रोटोटाइप विकसित किया है, जो बड़े सतही युद्धपोतों के लिए डिजाइन किया गया है। यह दुनिया में चीन की नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत है। पारंपरिक विमान वाहक पोत की तुलना में न्यूक्लियर पावर से चलने वाले एयरक्राफ्ट कैरियर लंबे समय तक बिना ईंधन भरे समुद्र में रह सकते हैं। इससे उन्हें अधिक रेंज और अपने विमानों के लिए अधिक ईंधन और हथियार ले जाने की क्षमता मिलेगी। न्यूज एजेंसी एपी की ओर से 11 नवंबर को इससे जुड़ी रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि सिचुआन प्रांत में लेशान के पास एक पहाड़ी पर बड़ा सतह युद्धपोत के लिए एक प्रोटोटाइप रिएक्टर का निर्माण किया गया था। कैलिफोर्निया में मिडलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज ने इसे लेकर शोध किया, जिसकी डिटेल न्यूज एजेंसी को दी गई। शोध से पता चलता है कि चीन के 701 इंस्टीट्यूट जो एयरक्राफ्ट कैरियर के विकास की देखरेख करता है उसने एक बड़े सतह युद्धपोत पर लगाने के लिए रिएक्टर उपकरण हासिल कर लिया। वर्तमान में अमेरिका 11 और फ्रांस 1 न्यूक्लियर-पावर एयरक्राफ्ट कैरियर संचालित करता है। चीन लंबे समय से न्यूक्लियर पावर युद्धपोत बनाना चाहता है। कई लोग इसे पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) नौसेना को ब्लू-वॉटर क्षमताओं से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखते हैं। एक बार फिर यह रिपोर्ट चीन की अपने लक्ष्य को पीछा करने की क्षमता दिखाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन 2035 तक छह एयरक्राफ्ट कैरियर संचालित करना चाहता है। चीन की ओर से इस डेवलपमेंट की खबर तब आई है जब भारत हिंद महासागर में ड्रैगन की बढ़ती सैन्य उपस्थिति का मुकाबला कर रहा है। अक्टूबर में LAC पर गश्त से जुड़ा समझौता हुआ है, लेकिन इसके बावजूद संबंधों को लेकर चिंता बनी है। भारत के पास एक भी परमाणु शक्ति से चलने वाला युद्धपोत नहीं है। मई में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घोषणा की थी कि भारत अपने तीसरे विमानवाहक पोत का निर्माण शुरू करेगा। वर्तमान में भारतीय नौसेना दो 45000 टन के विमान वाहक पोत INS विक्रमादित्य और INS विक्रांत का संचालन करती है।

सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी की उल्टी गिनती शुरू, स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन को किया जा रहा तैयार

एजेंसी वाशिंगटन

नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर जल्द अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से धरती पर लौटने वाले हैं। इसके लिए एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को जल्द ही रवाना किया जाएगा। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को मूल रूप से जून 2023 में बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजा गया था, लेकिन बाद में आई तकनीकी समस्याओं के कारण उन्हें वापसी का मिशन स्थगित करना पड़ा। तब से ही दोनों अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में थ्रस्टर की खराबी और हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा, जिससे चालक दल की वापसी असुरक्षित हो गई। नासा ने विलियम्स और विल्मोर को सुरक्षित विकल्प की प्रतीक्षा करते हुए आईएसएस पर ही रखने का विकल्प चुना। इसके बाद दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को बाद में धरती पर वापस जाने के लिए स्पेसएक्स क्रू-9 मिशन को फिर से मिशन लॉन्च करने की मंजूरी दी गई है। विलियम्स और विल्मोर अब स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल में सवार होकर लौटेंगे, जो नासा के वाणिज्यिक क्रू कार्यक्रम का हिस्सा है। स्पेसएक्स क्रू-9 मिशन, जिसमें शुरू में अंतरिक्ष यात्री ज़ेना कार्डमैन और स्टेफ़नी विल्सन को शामिल करने की योजना थी, लेकिन अब इमसें विलियम्स और विल्मोर को भी समायोजित किया जाएगा। नासा ने नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रोस्कोस्मोस कॉस्मोनॉट अलेक्जेंडर गोरबुनोव के साथ क्रू-9 की वापसी की उड़ान में शामिल होने के लिए दो अतिरिक्त जगह बनाई है। ड्रैगन कैप्सूल को क्रू-9 टीम को वापस लाने के लिए 2025 की शुरुआत में ISS के साथ डॉक करने की योजना है। नासा के अनुसार, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सुरक्षित हैं। पांच बेडरूम वाले घर के आकार वाला यह अंतरिक्ष स्टेशन अपने चालक दल के लिए पर्याप्त जगह और संसाधन प्रदान करता है। विलियम्स वर्तमान में अंतरिक्ष स्टेशन कमांडर के रूप में कार्य कर रही हैं, जबकि विल्मोर फ्लाइट इंजीनियर के रूप में कार्य कर रह हैं। दोनों वर्तमान में चल रहे शोध और रखरखाव कार्यों में योगदान दे रहे हैं। हाल ही में, विलियम्स के नेतृत्व में ISS क्रू ने प्रोग्रेस MS-29 कार्गो स्पेसक्राफ्ट में पाई गई जहरीली गंध से जुड़ी एक घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। ISS के पॉइस्क मॉड्यूल के साथ स्पेसक्राफ्ट के डॉक होने के बाद, अंतरिक्ष यात्रियों ने इस समस्या की सूचना दी, जिससे NASA और रोस्कोस्मोस दोनों को एयर-स्क्रबिंग सिस्टम सक्रिय करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि गंध की उत्पत्ति की जांच की जा रही है, लेकिन स्थिति को बिना किसी और जटिलता के प्रभावी ढंग से हल कर लिया गया।

ऑस्ट्रेलिया का धाकड़ खिलाड़ी हो गया चोटिल, रोहित ब्रिगेड को दूसरे टेस्ट में मिलेगा फायदा

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट मैच खेले जाने से पहले ही कंगारू टीम का एक स्टार खिलाड़ी चोटिल हो गया है.

नई दिल्ली, एजेंसी | बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 में दूसरे मैच से पूर्व ऑस्ट्रेलिया को बहुत बड़ा झटका लगा है. भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडीलेड में खेला जाना है, लेकिन उससे पहले ही मिचेल मार्श चोटिल हो गए हैं, फिलहाल ब्यू वेबस्टर को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा रहा है. मार्श पर्थ टेस्ट के दौरान घायल हो गए थे और सीरीज के पहले मैच के बाद से उनकी फिटनेस संबंधी समस्या प्रबल होने लगी थी. यह भी बताया गया कि मार्श इंग्लैंड दौरे के समय से ही इस समस्या से जूझ रहे हैं.

बता दें कि एडीलेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेला जाएगा. मार्श के पास रिकवर करने के लिए समय है क्योंकि एडीलेड टेस्ट को शुरू होने में अभी 10 दिन बचे हुए हैं. मेडिकल टीम उनपर करीब से नजर रखे हुए है और वो समय रहते ठीक नहीं हो पाते हैं तो ब्यू वेबस्टर को एडीलेड टेस्ट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिल सकता है. वेबस्टर डोमेस्टिक लेवल पर तास्मानिया की टीम के लिए खेलते हैं, जिसके कप्तान वेबस्टर को एक 'स्पेशल प्लेयर' कहकर संबोधित कर चुके हैं.

रोहित एंड कंपनी को होगा फायदा!

रोहित शर्मा निजी कारणों से पहला टेस्ट मैच नहीं खेले थे, लेकिन दूसरे टेस्ट से पूर्व वो ऑस्ट्रेलिया आ चुके हैं. दूसरे मुकाबले में रोहित शर्मा वापसी करने वाले हैं और मिचेल मार्श का चोटिल होना टीम इंडिया के लिए फायदे का सौदा साबित होगा. फायदे का सौदा इसलिए क्योंकि मार्श ने पर्थ टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 17 ओवर गेंदबाजी की और 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके थे. इस बीच दूसरी पारी में उन्होंने 47 रन की पारी खेल एक समय ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत की उम्मीद भी जगाई थी.

ब्यू वेबस्टर की बात करें तो उनके फर्स्ट-क्लास करियर के आंकड़े शानदार हैं. उन्होंने अब तक 93 मैचों के फर्स्ट-क्लास करियर में 12 शतक और 24 फिफ्टी लगाते हुए 5,297 रन बनाए हैं. वेबस्टर दायें हाथ से मीडियम पेस गेंदबाजी करते हैं और अपने फर्स्ट-क्लास करियर में 148 विकेट ले चुके हैं.

बुमराह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर, जायसवाल बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच विजयी गेंदबाजी स्पैल की बदौलत बुधवार को कैगिसो रबाडा और जोश हेजलवुड को पछाड़कर फिर आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो गए।

कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने मैच में 72 रन देकर आठ विकेट झटके जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से रौंदकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

पर्थ टेस्ट से पहले बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर थे। अब वह करियर के सर्वश्रेष्ठ 883 रैंकिंग अंक पर पहुंच गये हैं

जिससे उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के रबाडा (872 अंक) और ऑस्ट्रेलिया के हेजलवुड (860 अंक) को पीछे छोड़ दिया।

बुमराह के साथी मोहम्मद सिराज ने पर्थ टेस्ट में पांच विकेट झटके जिससे उन्हें भी तीन पायदान का फायदा हुआ और वह 25वें स्थान पर पहुंच गये।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में 161 रन की शानदार पारी खेलने वाले यशस्वी जायसवाल अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 825 अंक की मदद से बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट (903 अंक) से पीछे दूसरे स्थान पर पहुंचे।

अनुभवी स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का ऊपर की ओर चढ़ना जारी है, उन्होंने अपने 30वें टेस्ट शतक से नौ पायदान के सुधार के साथ 13वां स्थान हासिल किया।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 736 अंक से छठा स्थान कायम रखा है।

रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन हालांकि पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेले थे लेकिन उनकी जोड़ी टेस्ट आल राउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज है।

भारत में क्रिकेट मजहब है लेकिन दूसरे खेलों के लिये अवरोधक नहीं : सेबेस्टियन को

नयी दिल्ली, एजेंसी | विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन को जानते हैं कि भारत में क्रिकेट मजहब से कम नहीं लेकिन उनका मानना है कि इसे दूसरे खेलों के अवरोधक के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिये क्योंकि नीरज चोपड़ा जैसे चैम्पियन पैदा करके दूसरे खेल क्रिकेट के दबदबे को तोड़ सकते हैं ।

अगले साल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के चुनाव में अध्यक्ष पद के दावेदार को पिछले दो दिन से भारत में हैं । उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात करके भारतीय खेलों के विकास पर चर्चा की ।

खेलों की महाशक्ति बनने की भारत की क्षमता पर भरोसा जताते हुए चार बार के ओलंपिक पदक विजेता मध्यम दूरी के पूर्व धावक ने कहा ,''जब आपके पास ऐसा खिलाड़ी है जो ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीत रहा है तो इसके मायने हैं कि खेल सही दिशा में जा रहे हैं ।''

उन्होंने पीटीआई को फोन पर दिये इंटरव्यू में कहा ,'' जब आपके पास नीरज जैसा खिलाड़ी है तो आप दूसरे खेलों को अच्छी चुनौती दे सकते हैं । हमें पता है कि क्रिकेट यहां मजहब की तरह है ।''

उन्होंने कहा ,'' यह महत्वपूर्ण है कि भारत के पास जनता और प्रसारकों में लोकप्रिय खिलाड़ी हों । नीरज में यह गुण है ।'' चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में भालाफेंक में स्वर्ण जीतने के बाद पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता ।

68 वर्ष के को ने कहा ,'' क्रिकेट को अवरोध नहीं मानना चाहिये क्योंकि हर देश में ऐसे खेल हैं जिनका दबदबा है । ब्रिटेन में फुटबॉल है लेकिन हमारे पास ट्रैक और फील्ड में भी शानदार टीम है । जो है उसे स्वीकार करना होगा । आप यह सोचकर ही नहीं बैठ सकते कि भारत में क्रिकेट या फुटबॉल या कोई और खेल मजबूत है । यह सोचकर हार नहीं मानी जा सकती ।''

उन्होंने कहा ,'' आपको अधिक प्रयोगधर्मी होना होगा , रचनात्मक भी । खेलों का परिदृश्य काफी प्रतिस्पर्धी है । ''

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' मैं आपसी बातचीत का खुलासा नहीं करूंगा । लेकिन हमने भारत में बड़े आयोजकों के महत्व पर बात की । उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बड़े टूर्नामेंटों से बेहतर प्रतिस्पर्धा ही नहीं होती बल्कि इसका समाज खासकर युवाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव होता है।''

उन्होंने कहा ,'' वह (प्रधानमंत्री) चाहते हैं कि भारत में बड़े टूर्नामेंट हों । ''

मीराबाई रिहैब जारी रखने के लिए विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगी

नयी दिल्ली, एजेंसी | तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू अगले सप्ताह बहरीन के मनामा में होने वाली भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगी क्योंकि वह अपना 'रिहैबिलिटेशन' जारी रखेंगी। पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई (30 वर्ष) ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किग्रा श्रेणी में चौथे स्थान पर रहने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने पीटीआई को बताया, ''पेरिस ओलंपिक के बाद मीरा अभी भी रिहैबिलिटेशन में हैं। वह इस विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी। ''

पिछले साल एशियाई खेलों में कूल्हे की चोट लगने के बाद मीराबाई की फिटनेस को लेकर पेरिस ओलंपिक के दौरान भी चर्चा होती रही। एशियाई खेलों में पदक जीतने का उनका सपना पिछले साल टूट गया था क्योंकि वह सिर्फ यही ट्रॉफी नहीं जीत पाई हैं।

शर्मा ने कहा, ''उसके लिए स्वस्थ होना अहम है क्योंकि हमें

2026 राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की तैयारी शुरू करनी होगी। ''

चानू की अनुपस्थिति में राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। ज्ञानेश्वरी (21 वर्ष) 49 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और खेलो इंडिया भारोत्तोलन लीग की स्वर्ण विजेता दितिमोनी सोनोवाल (64 किग्रा) अन्य दो भारतीय भारोत्तोलक हैं जो विश्व प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

व्यापार

एक दिन की गिरावट के बाद संभला बाजार; सेंसेक्स 230 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी | हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 230.02 (0.28%) अंकों की बढ़त के साथ 80,234.08 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 80.41 (0.33%) अंक चढ़कर 24,274.90 पर बंद हुआ।

अदाणी समूह के शेयरों में तेज उछाल और ताजा विदेशी फंड प्रवाह के चलते बुधवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 230.02 अंक या 0.29 प्रतिशत चढ़कर 80,234.08 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 507.09 अंक या 0.63 प्रतिशत बढ़कर 80,511.15 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 80.40 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 24,274.90 पर पहुंच गया। बुधवार को अमेरिकी डॉलर के

मुकाबले रुपया 15 पैसे (अनंतिम) गिरकर 84.44 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स में 6 प्रतिशत की तेजी आई। एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति और एक्सिस बैंक भी लाभ में रहे। इसके विपरीत टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

दाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी ग्रीन एनर्जी सहित अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में उछाल आया। अदाणी समूह के शेयरों में यह तेजी समूह की ओर से यह स्पष्टीकरण देने के बाद आई है कि गौतम अदाणी और उनके सहयोगियों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के तहत आरोप नहीं लगाया गया है, साथ ही उन पर प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी सहित जो तीन अन्य आरोप हैं, वे मौद्रिक जुर्माने से दंडनीय हैं। समूह की कुछ कंपनियां अपनी ऊपरी सर्किट सीमा तक पहुंच गईं।

निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर ये रहे - एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,157.70 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में शंघाई और हांगकांग बढ़त में बंद हुए, जबकि सियोल और टोक्यो में गिरावट दर्ज की गई। यूरोपीय बाजारों में ज़्यादातर गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी बाज़ार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत बढ़कर 73.23 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

इससे पहले मंगलवार को बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स 105.79 अंक या 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 80,004.06 पर बंद हुआ था। निफ्टी 27.40 अंक या 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 24,194.50 पर बंद हुआ था।

वित्त मंत्री ने बैंकों को उनकी स्थानांतरण नीति में अधिक पारदर्शिता के लिए परामर्श जारी किया

वित्त मंत्रालय ने बैंकों की स्थानांतरण नीति के संबंध में कई सुझाव जारी किए। इन सुझावों का मकसद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की स्थानांतरण नीति में अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। परामर्श में कहा गया है, पीएसबी को यह भी सलाह दी जाती है कि वे संशोधित नीति की एक प्रति जल्द से जल्द इस विभाग को भेजें।

नयी दिल्ली, एजेंसी | वित्त मंत्रालय ने बैंकों की स्थानांतरण नीति के संबंध में कई सुझाव जारी किए। इन सुझावों का मकसद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की स्थानांतरण नीति में अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। पीएसबी के प्रमुखों को जारी एक परामर्श के अनुसार वित्तीय सेवा विभाग ने बैंकों से अपने बोर्ड की मंजूरी के साथ अपनी संबंधित स्थानांतरण नीति में इन सुझावों को शामिल करने और 2025-26 से इसके कार्यान्वयन के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा है।

परामर्श में कहा गया है, पीएसबी को यह भी सलाह दी जाती है कि वे संशोधित नीति की एक प्रति जल्द से जल्द इस विभाग को भेजें। इसमें कहा गया है कि अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने और एक समान तथा गैर-विवेकाधीन नीति तैयार करने के लिए स्थानांतरण नीति की समीक्षा की गई है। इन बदलावों में बैंकों को स्थानांतरण प्रक्रिया को स्वचालित करना और कर्मचारियों को स्थान वरीयता विकल्प देने की सुविधाओं के साथ इसके लिए एक ऑनलाइन प्रक्रिया विकसित करना शामिल है। पत्र में कहा गया है, महिला कर्मचारियों को यथासंभव नजदीकी स्थानों, स्टेशनों, क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी अडानी समूह के बचाव में, बोले- गौतम और सागर अडानी पर नहीं है कोई आरोप

मुकुल रोहतगी ने कहा, इस आरोपपत्र में मुझे एक भी नाम या डिटेल नहीं मिला कि इस पूरे मामले में किसे रिश्वत दी गई है और वो किसी डिपार्टमेंट से जुड़ा है.

नई दिल्ली, एजेंसी | पूर्व अटार्नी जनरल और सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी का बचाव किया है. मुकुल रोहतगी ने कहा, गौतम अडानी और सागर अडानी पर अमेरिका में रिश्वतखोरी और न्याय में बाधा डालने का कोई आरोप नहीं लगाया गया है. अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के आरोपों को लेकर भ्रामक न्यूज रिपोर्ट्स का काउंटर करने के लिए मुकुल रोहतगी बुधवार 27 नवंबर 2024 को मीडिया से मुखातिब हुए.

गौतम अडानी - सागर अडानी पर नहीं है कोई आरोप – मुकुल रोहतगी ने कहा, ये मेरे निजी विचार हैं. मैं कोई अडानी समूह का प्रवक्ता नहीं हूं. मैं एक वकील हूं और कई मामलों में अडानी समूह के लिए कोर्ट में पेश हुआ हूं. उन्होंने कहा, मैंने अमेरिका के कोर्ट के आरोपों को देखा है. इसमें पांच आरोप लगाये गए हैं. उन्होंने बताया कि इसमें 1 और 5 नंबर मामला दूसरे मामलों के मुकाबले सबसे प्रमुख है. लेकिन नंबर एक मामला और 5 नंबर मामले दोनों ही में गौतम अडानी और उनके भतीजे पर कोई आरोप नहीं है. ये एक चार्जशीट की समान है जो कानून की धाराओं के मुताबिक व्यक्तियों पर आरोप लगाये जाते हैं. उन्होंने बताया कि काउंट 1 दोनों अडानी को छोड़कर कुछ दूसरे लोगों के खिलाफ है. इसमें कुछ अधिकारी और एक विदेशी व्यक्ति शामिल है. उन्होंने बताया कि पहले आरोप में अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट प्रैक्टिस एक्ट के उल्लंघन का आरोप है और इसमें गौतम अडानी और सागर अडानी का नाम नहीं है.

न्याय में नहीं डाला कोई बाधा - मुकुल रोहतगी ने बताया सिक्योरिटीज और बॉन्ड्स से जुड़े मामलों में अडानी और दूसरे लोगों के नाम हैं. नंबर 5 मामले में जो कि न्याय में बाधा डालने से संबंधित है इसमें अडानी और उनके अधिकारियों का नाम नहीं है. उन्होंने बताया कि, अडानी और अन्य लोग इस आरोपपत्र का जवाब अपनी इच्छा के मुताबिक देंगे. वे स्टॉक एक्सचेंजों को भी जवाब देंगे. मुकुल रोहतगी ने कहा, इस आरोपपत्र को देखने के बाद ये मेरे निजी विचार है.

अभियोग दस्तावेज की बातें करती है परेशान - मुकुल रोहतगी ने कहा, अभियोग दस्तावेज के बारे में कुछ बातें परेशान करने वाली है. जब आप किसी आरोपपत्र को देखते हैं, तो उसमें यह स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए कि इस व्यक्ति ने ये काम किया है,

इस व्यक्ति ने कुछ व्यक्तियों को रिश्वत दी है. लेकिन इस आरोपपत्र में मुझे एक भी नाम या डिटेल नहीं मिला कि इस पूरे मामले में किसे रिश्वत दी गई है और वो किसी डिपार्टमेंट से जुड़ा है.

अनिल अंबानी की बल्ले-बल्ले, हाईकोर्ट से राहत के बाद दूसरे दिन भी लगा रिलायंस पावर में अपर सर्किट

सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बैन और पब्लिक नोटिस के बाद रिलायंस पावर दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गई थी. मंगलवार को हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी. इसके बाद से शेयर में अपर सर्किट लग रहा है.

नई दिल्ली, एजेंसी | मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी के लिए इस हफ्ते की शुरुआत अच्छी रही. सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बैन और पब्लिक नोटिस के बाद, अब दिल्ली हाईकोर्ट से उनकी कंपनी को राहत मिली है.

दरअसल, मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर को मिले SECI के नोटिस पर रोक लगा दी है. इस खबर के बाद से ही रिलायंस पावर के शेयर स्टॉक मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं.

क्या था पूरा मामला

दरअसल, नवंबर महीने की शुरुआत में रिलायंस पावर ने बताया था कि उसे सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से एक नोटिस मिला है, जिसमें कंपनी को निर्देश दिया गया है कि कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को संगठन द्वारा जारी किए जाने वाले सभी भविष्य के टेंडरों में भाग लेने से 3 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है.

कंपनी पहुंच गई थी हाईकोर्ट

सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बैन और पब्लिक नोटिस के बाद रिलायंस पावर दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गई और SECI नोटिस को चुनौती दी. अब मंगलवार यानी 26 नवंबर 2024 को मामले पर ताजा अपडेट आया. रिलायंस पावर ने मंगलवार को बताया कि हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी है. कोर्ट से राहत मिलने के बाद आर पावर के शेयरों में लगातार तेजी देखनो को मिल रही है. मंगलवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा था और आज यानी बुधवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा है.

क्या फिर 53 रुपये पहुंचेगी कीमत?

3 अक्तूबर 2024 को रिलायंस पावर के एक शेयर की कीमत 53.64 पैसे पहुंच गई थी. इसके बाद से ये गिरना शुरू हुआ और 34.13 रुपये तक आ गया. हालांकि, अब मंगलवार से इस शेयर में फिर से तेजी देखने को मिल रही है. रिलायंस पावर के फंडामेंटल्स की बात करें तो इसका मार्केट कैप 15,377 है. वहीं शेयर का आरओसीई 1.43 फीसदी है. जबकि, आरओई माइनस 17.5 फीसदी है. शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये है और बुक वैल्यू 35.8 रुपये है.

द्रौपदी ने अपने सौतेले बेटे को दे दिया इतना भयानक शाप, जिसकी कल्पना तक नहीं कर सकता दुनिया का कोई योद्धा

जीवन में कभी भी किसी का अपमान नहीं करना चाहिए क्योंकि जब कोई व्यक्ति किसी का अपमान करता है, तो अपमानित व्यक्ति के मन की पीड़ा से एक नकारात्मक ऊर्जा निकलती है। इस ऊर्जा का प्रभाव जीवन पर पड़ने से बुरे दिन शुरू हो जाते हैं। वहीं, कभी-कभी ऐसा भी होता है कि व्यक्ति का लक्ष्य किसी को अपमानित करना नहीं होता लेकिन जाने-अनजाने वो किसी का दिल दुखा बैठता है। महाभारत की एक कहानी भी ऐसी ही है, जब एक योद्धा को द्रौपदी का दिल दुखाने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी। आइए, जानते हैं महाभारत की वो कहानी जब द्रौपदी ने क्रोध में आकर अपने सौतेले पुत्र घटोत्कच को शाप दे दिया था।

भीम के पुत्र घटोत्कच का जन्म राक्षसी हिडिम्बा से हुआ था, इसलिए घटोत्कच में भी मायावी शक्तियां थीं। वह एक शक्तिशाली और अद्भुत योद्धा थे। अपनी ताकत से वे कौरव सेना को आसानी से हरा सकते थे। घटोत्कच को जन्म देने के बाद हिडिम्बा उसे अपने साथ ले गई थी क्योंकि पांडवों को कौरवों से प्रतिशोध लेकर अपना लक्ष्य पूरा करना था। यही कारण है कि कुंती ने भीम का विवाह हिडिम्बा से कराने से पहले शर्त रखी थी कि हिडिम्बा एक संतान होने के बाद वापस अपने कुल में लौट जाएगी। घटोत्कच बचपन से केवल अपनी मां के साथ ही रहे थे इसलिए अक्सर वह अपने पिता के बारे में पूछा करते थे। हिडिम्बा भीम की वीरता की कहानियां घटोत्कच को सुनाया करती थीं। बालक घटोत्कच अक्सर सवाल किया करता कि वो राजमहल में जाकर अपने पिता के साथ क्यों नहीं रह सकते। इस सवाल के जवाब में हिडिम्बा घटोत्कच को बताया करती थी कि महल की रानी द्रौपदी है। द्रौपदी भीम की पत्नी भी है इसलिए हिडिम्बा को राजमहल में वो स्थान कभी नहीं मिल सकता। इस बात को सुनकर घटोत्कच के मन में द्रौपदी के लिए नाराजगी पलने लगी थी। युद्ध की घोषणा होने के बाद जब घटोत्कच अपने पिता से मिलने हस्तिनापुर के राजमहल पहुंचे, तो सभा में पहुंचकर घटोत्कच ने सभी को नमस्कार किया। वहां पर द्रौपदी भी खड़ी थीं लेकिन घटोत्कच के मन में द्रौपदी के लिए नाराजगी का भाव था इसलिए वो द्रौपदी को अनदेखा करके आगे बढ़ गए। द्रौपदी ने मुस्कुराते हुए इस बात पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन इस तरह अनदेखा करने से द्रौपदी को पीड़ा हुई। घटोत्कच अपने पिता भीम से प्रसन्नता के साथ मिले और अंहकार भरे शब्दों के साथ अपनी मां की प्रसन्नता करने लगे। घटोत्कच ने अपनी माता हिडिम्बा को भीम के लिए सर्वश्रेष्ठ नारी बताते हुए कहा कि हिडिम्बा अन्य नारियों की भांति अबला नहीं है बल्कि भीम के समान ही बलशाली है इसलिए उन दोनों का पुत्र होने के नाते रणभूमि पर कोई घटोत्कच को परास्त नहीं कर सकता। इसके अलावा भी घटोत्कच ने कई अंहकार भरे शब्द कहे। घटोत्कच के मुख से ऐसे अंहकार भरे शब्द सुनकर द्रौपदी काफी आहत हुई। उन्हें घटोत्कच की बातें सुनकर यह तो अनुभव हो चुका था कि द्रौपदी को अबला कहकर घटोत्कच ने उन पर कटाक्ष किया है। घटोत्कच के शब्द सुनकर द्रौपदी को भरी सभा में कौरवों द्वारा उनका अपमान करने की घटना भी याद आ गई। इस कारण द्रौपदी कुपित हो गईं और उन्होंने घटोत्कच को शाप दिया कि जिस बल का घटोत्कच को इतना अंहकार है, उस बल को उसे रणभूमि पर दिखाने का मौका ही नहीं मिलेगा। वो बिना युद्ध को लड़े ही मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा। द्रौपदी का शाप सुनकर भीम को बहुत दुख पहुंचा। भीम ने जब यह बात श्रीकृष्ण को बताई, तो श्रीकृष्ण ने भीम को रहस्य बताया कि यह सब नियति ने ही द्रौपदी से कराया है। इस शाप के कारण ही पांडवों को जीवनदान मिलेगा। इसके बाद जब कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर कौरव और पांडव का रक्त रंजित युद्ध हुआ, तो घटोत्कच ने अपनी मायावी शक्तियों का प्रयोग करते हुए खुद का आकार बड़ा करना शुरू कर दिया। घटोत्कच के पैरों के नीचे कौरव और पांडव की सेनाएं दबकर मरने लगीं। ऐसे में कर्ण को दुर्योधन ने निर्देश दिया कि तुंरत ही इस मायावी राक्षस का वध करे, वरना रणभूमि पर कोई नहीं बचेगा। विवश होकर कर्ण ने इंद्र का अमोघ अस्त्र घटोत्कच पर चला दिया। इस अस्त्र को कर्ण ने अर्जुन के लिए रखा था। इस तरह घटोत्कच द्रौपदी के शाप के प्रभाव से बिना युद्ध के ही रणभूमि पर मारा गया और अर्जुन के प्राणों की रक्षा हुई। जिस तरह एक महान योद्धा घटोत्कच बिना युद्ध किए मृत्यु को प्राप्त हो गए, उसकी कल्पना कोई योद्धा नहीं कर सकता क्योंकि युद्ध करना योद्धा का कर्तव्य माना जाता है।

महाकुंभ में दिखेगा आस्था और आध्यात्म का अद्भुत संगम

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अगले साल जनवरी में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को भव्य बनाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस दौरान प्रयागराज को आध्यात्म व संस्कृति के मेगा शो केस के तौर संस्कृति ग्राम के रूप में बसाया जाएगा। वहीं 5 एकड़ में बसने वाले इस संस्कृति ग्राम में करीब 45 दिनों तक तमाम आयोजन होंगे। इसमें सनातन परंपरा की झलक देखने को मिलेगी। संस्कृति ग्राम में वर्चुअल रियलिटी और ऑग्मेंटेड रियलिटी के माध्यम से श्रद्धालुओं को महाकुंभ के विभिन्न सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पहलुओं दिखाया जाएगा। इस मेला में 30 भव्य थीम आधारिक द्वारों का निर्माण होगा। महाकुंभ में देश-दुनिया से करीब 25 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसलिए इसको उत्तर प्रदेश के भव्य ब्रैंड के मौके के तौर पर देखा जा रहा है। यही वजह है कि बुनियादी सुविधाओं के साथ ही इस उत्सव के रंग को गाढ़ा करने की तैयारी है। पर्यटन विभाग ने संस्कृति ग्राम के लिए एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें 20 स्टॉल भी प्रदर्शित किए जाएंगे, जिसमें शिल्प और स्थानीय हस्तकला को तरहीज दी जाएगी। महाकुंभ के संस्कृति ग्राम को ऑग्मेंटेड रियलिटी वर्चुअल रिएलिटी का हब बनाया जाएगा। महाकुंभ के आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाया जाएगा। महाकुंभ की यात्रा को विभिन्न कालखंडों में इन माध्यमों से दिखाया जाएगा। संस्कृति ग्राम को विभिन्न जोन जैसे- पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक अभिलेख, प्राचीन संस्कृति, ज्योतिष, कला एवं संवाद के अलग-अलग जोन में बाटा गया था। महाकुंभ के संस्कृति ग्राम में कन्नौज के राजा हर्षवर्धन द्वारा अपनी समस्त संपत्ति की दान किए जाने का चित्रण भी मिलेगा। महाकुंभ से जुड़े सभी स्थलों की विशेषता, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों को 360 डिग्री वर्चुअल एक्सपीरियंस, मल्टीमीडिया डिस्प्ले और इंटरैक्टिव कियोस्क के माध्यम से जाना जाएगा। वेद, पुराण और चरक संहिता व प्राचीन ज्योतिष शास्त्रों का प्रदर्शनी स्थल पर उल्लेख किया जाएगा। साथ ही भारत के सभी प्राचीन विश्वविद्यालय का भी जिक्र किया जाएगा। मेन स्टेज पर रोजाना संगीत, शास्त्रीय और लोकनृत्य की प्रस्तुतियां होंगी। इसके अलावा नाटक, फूड स्टॉल्स, क्राफ्ट वर्कशॉप, डांस-म्यूजिक वर्कशॉप और कुकिंग आदि का भी आयोजन होगा। वहीं महाकुंभ घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए गाइड और सूचना केंद्र की भी सुविधा होगी। बता दें कि महाकुंभ मेला में यूपी पर्यटन विभाग 30 बेहद भव्य द्वारों का निर्माण कराएगा। इनके द्वारों के नाम स्वास्तिक द्वार, डमरू द्वार, शंख द्वार, कामधेनु द्वार, लक्ष्मी द्वार, ओम द्वार, शिवलिंग द्वार, चंद्र द्वार, कलश द्वार, महाकुंभ लोगो द्वार, त्रिशूल द्वार, महाकुंभ 2025 द्वार, सूर्य द्वार, देव दल द्वार, कमल द्वार, गदा द्वार, धनुष द्वार, गंगा द्वार, कौस्तुभ द्वार, नंदी द्वार, संगम द्वार, नाग वासुकी द्वार, सुदर्शन चक्र द्वार, 14 रत्न कथा द्वार, कच्छप द्वार, कल्पवृक्ष द्वार, ऐरावत द्वार, समुद्र मंथन द्वार, रुद्राक्ष द्वार व अश्व द्वार हैं। साथ ही इन सभी द्वारों पर लैंप पोस्ट, सेल्फी प्वाइंट और पोर्टेबल टूरिस्ट इंफॉर्मेशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा। थीम के अनुरूप ही सभी द्वार निर्मित किए जाएंगे। यह द्वार थीम के महत्व को दर्शाएंगे और यह पर्यटकों के आकर्षण का भी केंद्र होगा।

हनुमान जी से क्यों डरते हैं भूत-पिशाच, बजरंगबली का नाम लेते ही क्यों दूर भागती हैं नकारात्मक शक्तियां

भूत-पिशाच निकट न आवे, महावीर जब नाम सुनावे... हनुमान चालीसा में आपने यह लाइन सुनी होगी। पौराणिक मान्यता है कि हनुमान जी का नाम लेने से भूत-पिशाच, प्रेत आत्मा यानी नकारात्मक शक्तियां दूर भाग जाती हैं। हनुमान भक्तों को नकारात्मक ऊर्जा का भय नहीं रहता। हनुमान जी का नाम लेने भर से ही ऐसी नकारात्मकताएं दूर भाग जाती हैं। कई बार मन में सवाल आता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है, आइए विस्तार से जानते हैं इस सवाल का जवाब। हनुमान जी को भगवान शिव के 'रुद्र' रूप का ग्यारहवां अवतार माना गया है। कलियुग में हनुमान जी सबसे अधिक सक्रिय और प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित देवता हैं। हनुमान जी चिरंजीवी हैं इसलिए युगों-युगों से इस धरती पर उपस्थित हैं। हनुमान जी की भक्ति ही दुखों और संकटों से रक्षा कर सकती है। हनुमान जी दिव्य शक्तियों के साथ उनकी दयालुता के लिए भी स्मरण किया जाता है। भगवान शिव मनुष्य, देवता और असुर सभी पर अपनी कृपा बरसाते हैं। भगवान शिव प्रभु श्री राम के आराध्य भी हैं और रावण भी उनका परम भक्त है। ऐसे में हनुमान जी शिव का ही रूप हैं इसलिए जिस तरह संपूर्ण जीव, देव और दानव शिव जी का सम्मान करते हैं, उसी तरह हनुमान जी के सम्मान के कारण ही भूत-प्रेत उनका कहा मानते हैं और अपनी नकारात्मक शक्तियां हनुमान जी के भक्तों पर नहीं चला पाते। वहीं, जिस प्रकार शिव को क्रोध आता है, उनके अवतार हनुमान जी को भी क्रोध आता है इसलिए भूत-पिशाच उनसे घबराते हैं और उपस्थिति में ऐसा कोई काम नहीं करते जिससे कि उन्हें क्रोध आए। पौराणिक कहानियों के अनुसार हनुमान जी को देवताओं ने अद्भुत शक्तियां दी थीं। यम, शनि, राहु-केतु जैसी बुरी शक्तियां हनुमान जी को छू भी नहीं सकतीं। हनुमान जी के भक्त भी इनसे सुरक्षित रहते हैं। इसलिए जब भूत-प्रेत परेशान करते हैं, तो लोग हनुमान जी की शरण में जाते हैं और उन्हें कोई नकारात्मक शक्ति उन्हें या उनके भक्तों को प्रभावित नहीं कर सकती। इस वजह से लोग भूत-प्रेत जैसी समस्याओं से बचने के लिए हनुमान जी की पूजा करते हैं। हनुमान चालीसा को अष्ट सिद्धियां प्राप्त हैं। इन अष्ट सिद्धियों का नाम है अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व। इतनी सिद्धियां प्राप्त करना किसी देवता या मनुष्य के लिए संभव नहीं है। ऐसे में जाहिर-सी बात है कि असुर या पिशाच अज्ञान और नकारात्मकता के प्रतीक हैं इसलिए सिद्ध देव की सकारात्मक शक्तियों से प्रेत और असुर डरते हैं। नकारात्मकता को ज्ञान की सकारात्मकता से ही खत्म किया जा सकता है।

आर्थिक राशिफल: सौभाग्य योग में गणेशजी की कृपा से खूब पैसा कमाएंगे इन 5 राशियों के लोग

मेष राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपको जीवनसाथी का हर मामले में भरपूर साथ मिलेगा। ऑफिस के मामले में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी और आपकी तरक्की होने से आपको खुशी होगा। आपको घरवालों की ओर से परेशान होने की जरूरत नहीं। प्रमोशन के साथ ही वेतन में बढ़ोतरी की चर्चा हो सकती है। घर के छोटे सदस्यों को समय जरूर दें।

वृष राशि के लोगों का दिन शुभ है और आप पूरे उत्साह के साथ काम करेंगे और आपको सफलता मिलेगी। आप पूरे उत्साह से जो भी काम करेंगे उसमें निश्चित रूप से कामयाबी मिलेगी। दोपहर बाद आपके सभी कार्य बनते नजर आएंगे और आपको आर्थिक लाभ भी होगा। काफी समय से रुका पैसा आपको मिल सकता है और आपको बिजनस में मनचाहा लाभ होगा। बिजनस के मामले में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है।

मिथुन राशि के लोगों का दिन शुभ है और आप फाइनेंस से जुड़े फैसले ले सकते हैं। आगे चलकर आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा और आपकी तरक्की होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा। घर में किसी शुभ कार्य की बातचीत हो सकती है और चर्चा चल सकती है। शाम के समय शॉपिंग के लिए घरवालों को बाहर ले जाने का प्लान बनेगा।

कर्क राशि के लोगों के लिए करियर के मामले में लाभ और सफलता का दिन है। आपको कहीं परिवार के लोगों के साथ घूमने का मौका मिलेगा और आपको खुशी होगी। आपका किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का प्लान बन सकता है। किसी बौद्धिक काम में आपको कामयाबी मिलेगी। कोई नई डील आपकी शर्त पर फाइनल हो सकती है।

सिंह राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। आपको खुशी का अहसास होगा और आपकी तरक्की होगी। ऑफिस में कलीग्स आपके टीमवर्क के जज्बे को अच्छी तरह समझेंगे और आपकी मदद के लिए आगे आएंगे। काफी समय से चले आ रहे कानूनी विवाद और झगड़े आज खत्म होंगे। शाम को परिवार के लोगों के साथ कहीं जा सकते हैं।

कन्या राशि के लोगों के लिए करियर में सफलता का दिन है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपकी तरक्की होगी और काम धंधे को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा। इधर उधर की बातों के बजाए अपने काम पर फोकस करें तो आपको लाभ होगा। थोड़ा बहुत पैसा भी कमाने के चांस हैं। पैसे की समस्या आएगी लेकिन आप इसको दूर कर लेंगे। दोस्त अगर उधार मांगे तो न दें।

तुला राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। आपका दिन सेहत के मामले में सबसे लाभपूर्ण होगा। घर में सभी लोगों की सेहत अच्छी रहेगी। दिल और दिमाग के संतुलन से सफलता मिलेगी। अकाउंट्स के मामले में आपका हिसाब दुरुस्त रहेगा और कभी भी जरूरत पड़ सकती है। अपने स्टाफ पर नज़र रखें। अच्छे बिहेवियर से दिल जीतने में कामयाब होंगे।

वृश्चिक राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। पॉलिटिक्स में रूचि बढेगी। किसी खास शख्स के कारण शाम के समय थोड़ी जेब ढीली हो सकती है लेकिन हर बार पैसे का फायदा नुकसान देखने की बजाए रिश्तों की मजबूरी को देखना ज्यादा फायदेमंद होता है। आपके लिए लाभ का दिन है और आपकी तरक्की होगी।

धनु राशि के लोगों पर आज काम का काफी बोझ रहेगा और आपको दिन भर काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी। भागदौड़ करने के बाद उसका फायदा जरूर मिलेगा। अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और आपको कुछ कर दिखाने का मौका मिलेगा। आपके प्रेमी का मूड आज काफी अच्छा रहेगा और आपको काफी घूमने-फिरने का मौका मिलेगा।

मकर राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। घर के रोजमर्रा के काम निपटाने में दिन का अधिकांश हिस्सा निकल जाएगा लेकिन एक बार आप अपने कामों को एक के बाद एक निपटाने लगेंगे तो काफी संतुष्टि मिलेगी। याद रखिए संतुष्टि पाना सबसे बड़ी उपलब्धि है। कानूनी कागजातों पर दस्तखत करने से पहले सावधानी से देख लें। कहीं आपके साथ कोई धोखा तो नहीं कर रहा है।

कुंभ राशि के लोगों के लिए करियर में सफलता का दिन है। सुबह से ही आपको किसी शुभ समाचार का इंतजार रहेगा। आसपास की यात्रा करनी पड़ सकती है। नए लोग से मेलजोल बढ़ाना आपके लिए फायदेमंद होगा। क्या पता बिजनस के साथ प्यार की डील भी फिक्स हो जाएं। आपको परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने के अवसर मिल सकते हैं। आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।

मीन राशि से नौवें स्थान पर वक्री होकर अस्त हो जाएंगे। इस दौरान एक के बाद एक ऐसे खर्चे आएंगे, जिनको संभालना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। ऐसे में आपको पूरी योजना के साथ आगे बढ़ना होगा, तभी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्रों को इस अवधि उत्तम परिणाम की प्राप्ति होगी, जिससे सभी घरवाले काफी खुश नजर आएंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन चल रही है तो इस अवधि में वह खत्म हो जाएगी और रिश्तों में मजबूती आएगी।

इन मामलों में पुरुषों से कहीं ज्यादा आगे होती है महिलाएं, जानकर चौंक जाएंगे आप

आचार्य चाणक्य द्वारा बताई गई नीतियां दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। साथ ही आचार्य चाणक्य द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग मत भी दिए गए हैं। आचार्य चाणक्य ने महिलाओं और पुरुषों के बारे में भी काफी जानकारी अपनी नीतियों की मदद से बताई है आचार्य चाणक्य ने महिलाओं के कई ऐसे गुणों के बारे में बताया है जिनके कारण वह पुरुषों से कहीं ज्यादा गुना आगे रहती हैं। आइए जानते हैं पुरुषों से किन मामलों में ज्यादा आगे रहती हैं महिलाएं। स्त्रीणां द्विगुण आहारो आचार्य चाणक्य इस श्लोक के माध्यम से बताना चाहते हैं कि महिलाओं की संरचना इस प्रकार से की गई है कि उन्हें पुरुषों से ज्यादा भूख लगती है। उनके शरीर को पुरुषों की तुलना में अधिक ऊर्जा और पोषण की जरुरत होती है। इसलिए महिलाओं को अधिक भूख लगती हैं। साहसं षड्गुणं आचार्य चाणक्य के अनुसार, महिलाओं को पुरुषों से कहीं अधिक आगे रहती हैं। यानी उनके अंदर पुरुषों की तुलना में अधिक साहस और चुनौतियों का सामना करने की अधिक

ताकत होती है। महिलाएं अपने परिवार की रक्षा और सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा आगे रहती हैं। कामोऽष्टगुण उच्यते इसके माध्यम से आचार्य चाणक्य कहते हैं कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक प्रबल होती हैं। मानसिक शारीरिक और भावनात्मक रुप से कहीं ज्यादा मजबूत होती हैं। साथ ही महिलाओं के अंदर भी संवेदनशीलता काफी ज्यादा होती है। इस वजह से उनका व्यक्तित्व पुरुषों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा होता है। महिलाओं में होती है पुरुषों से चार गुना अधिक बुद्धि बुद्धिस्तासां चतुर्गुणा आचार्य चाणक्य कहना चाहते हैं कि महिलाओं के अंदर पुरुषों से चार गुना अधिक बुद्धि होती है। महिलाएं तेज दिमाग वाली होती हैं और वह अपनी चतुराई और समझदारी से कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना पुरुषों की तुलना में कई ज्यादा अच्छे तरीके से कर पाती हैं। उनकी त्वरित सोच उन्हें समस्या का समाधान जल्द से जल्द खोजने में मदद करती हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने नीट और जेईई उम्मीदवारों के लिए लॉन्च किया एक नया हिंदी यूट्यूब चैनल

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणीए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए एक समर्पित हिंदी यूट्यूब चैनल शुरू किया है, जो विशेष रूप से नीट और जेईई परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हिंदी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करेगा। उल्लेखनीय रूप से आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के हिंदी यूट्यूब चैनल ने अपने सॉफ्ट लॉन्च के सिर्फ़ एक महीने के भीतर 100,000 सब्सक्राइबर हासिल कर लिए हैं, जो युवा दर्शकों से मिले अविश्वसनीय समर्थन और जुड़ाव को दर्शाता है। यह उपलब्धि हमारे दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होने वाले उच्च. गुणवत्ता वाले शैक्षिक संसाधन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह नया प्लेटफ़ॉर्म छात्रों को उनकी मातृभाषा में उच्च.गुणवत्ता वाली शैक्षिक सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे वे कांप्लेक्स कॉन्सेप्ट्स को आसानी से समझ सकें। हिंदी में वीडियो के माध्यम से, चैनल छात्रों को फिजिक्स (भौतिकी) केमिस्ट्री (रसायन विज्ञान) गणित, बायोलॉजी (जीव विज्ञान) और बॉटनी (वनस्पति विज्ञान) जैसे महत्वपूर्ण विषयों का पुनरावलोकन (रिविशन) कर विषयों को ठीक से समझने की सुविधा देता है।

एईएसएल के MD एवं CEO श्री दीपक मेहरोत्रा का कहना है, हमारा मानना है कि भाषा कभी भी सीखने में बाधा नहीं बननी चाहिए। हमारे हिंदी यूट्यूब चैनल के लॉन्च के साथ, हम हिंदी भाषी छात्रों को मुख्य विषयों की बेहतर समझ विकसित करने के लिए एक सुलभ और प्रभावी मंच प्रदान करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। इस नए संसाधन का उद्देश्य छात्रों को आत्मविश्वास के साथ नीट और जेईई जैसी कठिन राष्ट्रीय परीक्षाओं की तैयारी में मदद करना है।

एईएसएल के रीजनल डायरेक्टर डॉ.एच. आर. राव ने कहा कि आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड हिंदी में समर्पित यूट्यूब चैनल की शुरुआत हिंदी भाषी छात्रों के लिए शिक्षा की सुलभता में एक परिवर्तनकारी कदम है। अपनी मातृ भाषा का उपयोग न केवल समझ को बढ़ाता हैए बल्कि नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों में अधिक जुड़ाव और आत्मविश्वास भी पैदा करता है। यह पहल भाषा से संबंधित बाधाओं को तोड़ती है, यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक छात्र, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या शिक्षा का माध्यम कुछ भी हो, अपने शैक्षणिक सफर और आकांक्षाओं का समर्थन करने वाले मूल्यवान संसाधनों तक पहुंच सके।

यह प्लेटफ़ॉर्म (www.youtube.com/@aakashinstitutehindi) बच्चों को बुनियादी शिक्षण से लेकर परीक्षा.विशिष्ट रणनीतियों, मोटिवेशन तक कई प्रकार के शैक्षिक वीडियो उपलब्ध कराता है, जो इसे छात्रों के लिए एक अनमोल संसाधन बनाता है। सामग्री को आसानी से नेविगेट किया जा सकता है और यह निःशुल्क उपलब्ध है, जिससे वे छात्र भी नीट और जेईई परीक्षा तैयारियों के लिए एईएसएल की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकते हैं।

मप्रमक्षेविविकंलि मण्डीदीप : मण्डीदीप में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा

मण्डीदीप | विभिन्न निर्माण कार्य हेतु 11 के.व्ही. टाउन फीडर मण्डीदीप में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा। उक्त फीडर के बंद रहने के कारण निम्नलिखित क्षेत्रों मेन भोपाल रोड मंडीदीप, मंगल बाजार, इंद्रा नगर, पुलिस कालोनी, रामनगर, गांधी चौक आदि में दिनांक 28.11.2024 दिन गुरूवार को समय 11:00 से 14:00 (दोपहर 02:00) बजे तक विद्युत प्रदाय अवरूद्ध रहेगा।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री चौहान से जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने की सौजन्य भेंट

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बुधवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से सौजन्य भेंट की। मंत्री डॉ. शाह ने पीएम जन-मन योजना में मध्यप्रदेश के 21 जिलों में कमजोर एवं पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) परिवारों के लिये 33 हजार 138 अतिरिक्त पीएम आवास मंजूर करने के लिये केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री चौहान का ह्रदय से आभार जताया।

शास. डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल में आज संविधान दिवस का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि थीं डॉ सुधा बैसा , सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं महिलाओं में सांस्कृतिक नवजागरण को समर्पित विश्व मांगल्य छात्र सभा, वाराणसी से सुश्री श्रुति देशपांडे।

कार्यक्रम का आयोजन कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विशिष्ट अतिथि द्वारा ज्ञान, शील, संस्कृति एवं सामर्थ्य इन चार स्तंभों द्वारा छात्र जीवन को उचित आकार एवं विचार देकर संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास हेतु आवाहन किया। संस्था की प्राचार्य डॉ रागिनी तिवारी के निर्देशन में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि द्वारा छात्र-छात्राओं को संवैधानिक मूल्यों से अवगत कराते हुए राष्ट्र निर्माण में युवा वर्ग की महती भूमिका को रेखांकित किया गया।

डॉ वी पी एस गौर एवं डॉ एस के मल्होत्रा द्वारा प्रारूप समिति के अध्यक्ष रूप में संविधान निर्माण में डॉ अंबेडकर की महती भूमिका से छात्रों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ कीर्ति जैन,प्रो. आशा वाधवानी, डॉ ज्योति पंथी, डॉ सरताज पर्रे एवं छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी सहभागिता दी गई ।

कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापन डॉ आशा वर्मा, संयोजक स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा किया गया ।

म.प्र. पर्यटन को मिला 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर'

ट्रेवल एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स में मिला सम्मान

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग को नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित ट्रेवल एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स में 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्यटन क्षेत्र में प्रदेश द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों और उपलब्धियों का प्रमाण है। प्रदेश की अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, और विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिये पर्य़टन विभाग द्वारा नवाचार किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों पर आधारभूत संचरना, कनेक्टिविटी में सुधार, स्थानीय समुदाय के लिये रोजगार के नए अवसर सृजित किये जा रहे है। इससे मध्यप्रदेश देश-विदेश के पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य स्थान बन गया है। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश में पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के लिये हमारे प्रयासों को और गति प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए हम निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2024

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सब्जेक्टिव प्रेजेंटेशन - राज्य के मण्डप में स्वर्ण पदक से पुरस्कृत

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | नई दिल्ली में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2024 में भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश राज्य मण्डप को सब्जेक्टिव प्रेजेंटेशन में स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक इण्डिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन श्री प्रदीप सिंह खरोला ने प्रदान किया। मध्यप्रदेश की ओर से पुरस्कार पेवेलियन डायरेक्टर श्री बी.एन. तिवारी ने प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला नई दिल्ली में 19 नवम्बर को मध्यप्रदेश मण्डप का उद्घाटन किया था। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप, केन्द्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री सुश्री प्रतिमा बागरी भी उपस्थित थीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश दिवस समारोह में जबलपुर से श्री जानकी बैण्ड एवं सागर के अखाड़ा लोक-नृत्य की प्रस्तुति की गयी थी। मेले में निर्मित मध्यप्रदेश मण्डप में थीम के अनुरूप प्राचीन सांस्कृतिक एवं कलात्मक धरोहर के साथ तेजी से बढ़ते एवं विकसित होते हुए मध्यप्रदेश के रूपरूप को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के अनुसार विकास के 4 मिशन युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब कल्याण और किसान कल्याण को होलोग्रॉफिक इमेज के माध्यम से दर्शाया गया।

मध्यप्रदेश मण्डप में 11 शासकीय विभागों, निगम मण्डलों, 14 स्वास्थ्य संस्था समूह, 23 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों और 3 स्टार्ट-अप द्वारा भाग लिया गया। मध्यप्रदेश मण्डप में डिण्डोरी के गोंड ऑर्ट, छतरपुर के टेराकोटा एवं बैतूल के बेलमेटल शिल्प का सजीव प्रदर्शन किया गया। दर्शकों द्वारा इसमें काफी रुचि ली गयी। इस वर्ष भी मध्यप्रदेश मण्डप लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना रहा। मण्डप में मध्यप्रदेश के पर्यटन का भी आनंद मिला। प्रदेश के जी.आई. उत्पादों को मण्डप की गैलरी में आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया गया, जिनमें से कई उत्पादों के विक्रय स्टॉल भी मण्डप में लगाये गये थे। दर्शकों ने रतलाम के नमकीन, मुरैना की गजक, बाग प्रिंट, उज्जैन के बटिक प्रिंट के वस्त्र, चंदेरी-महेश्वर की साड़ियाँ की खूब बिक्री हुई।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भारत मण्डपम कॉम्पलेक्स नई दिल्ली में 14 से 27 नवम्बर के मध्य भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित किया गया। इस वर्ष मेले का यह 43वाँ संस्करण था। मेले में विभिन्न राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अलावा विभिन्न राष्ट्रों द्वारा भाग लिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एवं भारत के अतीत की विरासत के अनुरूप मेले की थीम "विकसित भारत@2047'' थी। यह मेला आम नागरिकों के लाभ के लिये राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा कल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने तथा व्यापार, उद्योग एवं सेवाओं को बढ़ावा देने का एक मंच है। इससे स्वदेशी वस्तुओं के निर्यात, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और निवेश को बढ़ावा मिलता है।

संग़ठन पर्व पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए डॉ नरोत्तम मिश्रा

भोपाल | पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में संग़ठन पर्व पर आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए। उसके पूर्व डॉ मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डे, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी, प्रदेश शासन के मंत्री श्री प्रहलाद पटेल एवं वरिष्ठ नेता ,विधायक श्री गोपाल भार्गव के साथ कार्यशाला का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698